E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

12th ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक -56 | प्रयागराज, बुधवार 06 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका ने होर्मुज में 7 ईरानी नावें डुबोईं,व्यापारिक जहाजों पर हमले का आरोप

ट्रम्प ने ईरान को धरती से मिटाने की धमकी दी

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि उनकी मिलिट्री ने ईरान के 7 छोटी जहाजों को डुबो दिया है। उनके मुताबिक ये होर्मुज से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों पर हमला कर रही थीं। हालांकि, ईरान ने इस पर अभी कोई जवाब नहीं दिया है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान के पास आगे दो ही रास्ते हैं। या तो ईमानदारी से समझौता करे, या फिर दोबारा हमले झेलने के लिए तैयार रहे। उन्होंने धमकी देते हुए कहा कि अगर ईरानी सेना ने अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाने की गलती की तो उन्हें धरती से मिटा दिया जाएगा। अमेरिका ने सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास प्रोजेक्ट फ्रीडम ऑपरेशन शुरू किया है। इसके तहत वह वहां गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को सुरक्षा दे रही है। इसी दौरान दोनों देशों के बीच संघर्ष हुआ। ईरान का कहना है कि होर्मुज पर उसका कंट्रोल है, उसकी इजाजत के बिना वे किसी जहाजों को गुजरने नहीं देंगे। पिछले 24 घंटे के 4 बड़े अपडेट्स- 1. यूएई के ड्रोन प्लांट पर हमलाः ईरान ने यूएई के फुजैराह में एक पेट्रोलियम प्लांट पर ड्रोन हमला किया। इससे इंडस्ट्री एरिया में आग भड़क उठी। इसमें 3 भारतीय भी घायल हुए हैं। 2. प्रोजेक्ट फ्रीडम शुरूः अमेरिका ने होर्मुज के आसपास प्रोजेक्ट फ्रीडम पहल शुरू किया। इसके तहत होर्मुज में फंसे विदेशी जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद करने का वायदा किया गया है। 3. साउथ कोरियाई जहाज पर हमलाः होर्मुज स्ट्रेट में दक्षिण कोरिया के एक जहाज पर हमला हुआ जिससे आग लग गई। ट्रम्प का कहना है कि यह हमला ईरान ने किया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। 4. जब्त ईरानी जहाज सौंपाः अमेरिकी सेना ने जब्त ईरानी जहाज टूस्का को पाकिस्तान को सौंप दिया। इसे 22 क्रू मेंबर के साथ ईरान भेजा गया। अमेरिकी नेवी ने 21 अप्रैल को इस जहाज को पकड़ा था।

5. ईरान में तीन लोगों को फांसीः ईरान में मोसाद से जुड़े होने के आरोप में लोगों को फांसी दे दी गई। इन पर जनवरी 2026 में तख्तापटल की साजिश का आरोप था। इस साल 25 राजनीतिक कैदियों को फांसी दी जा चुकी है।अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का आकलन है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने में लगने वाला समय अभी भी पहले जैसा ही है। पिछले साल भी माना गया था कि हमले के बाद यह समय करीब एक साल तक पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सच में थीमा करना है तो उसके पास मौजूद उच्च स्तर के यूरेनियम भंडार को खत्म करना होगा।अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का कहना है कि ईरान के पास इतना समृद्ध यूरेनियम है कि अगर उसे और प्रोसेस किया जाए, तो उससे 10 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि अगर ईरान ऐसा करने का फैसला करता है, तब भी एक परमाणु हथियार तैयार करने में उसे करीब एक साल का समय लगेगा।

थलापति तमिलनाडु के किंग, लेकिन किंगमेकर कौन?107 सीटें, 35फीसदी वोट शेयर,'मास्टर' ने कैसे बदली 50 साल पुरानी कहानी

चेन्नई। 'ये चुनाव विजय बनाम स्टालिन की लड़ाई है।' 23 फरवरी, 2026 को थलापति विजय ने पहली बार ये बात कही। तमिलनाडु के वेल्लोर में उनकी रैली थी। इतने लोग आए कि नेशनल हाईवे-48 थम गया। ट्रैफिक इतना कि 4 घंटे तक गाड़ियां हिल नहीं पाईं। यही दीवानगी वोट में बदली और विजय की सिर्फ दो साल पुरानी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम तमिलनाडु की सत्ता के करीब पहुंच गई। पॉलिटिक्स में विजय की बिल्कुल फिल्मी एंट्री। तमिलनाडु में 1967 से सत्ता सिर्फ डीएमके और एआईए डीएमके के पास रही। विजय ने इस दीवार को गिरा दिया। लोगों को एक विकल्प की तलाश थी। सुपरस्टार रजनीकांत पार्टी बनाकर पीछे हट गए, कमल हासन बेअसर रहे, लेकिन विजय ने उस खाली जगह को भर दिया। 4 मई को आए चुनाव नतीजों में टीवीके 108, डीएमके 59 और एआईए डीएमके 47 सीटें मिली हैं। बहुमत के लिए 118 सीटें चाहिए। टीवीके को सरकार बनाने के लिए 10 सीटों की जरूरत है। अब सरकार बनने के दो सिनेरियो हैं-1. एआईएडीएमके बीजेपी से अलग होकर कुछ मंत्री पदों के बदले सरकार में शामिल हो सकती है। 2. कांग्रेस और पीएमके या कांग्रेस, कम्युनिस्ट और वीसीके सरकार को समर्थन दे सकते हैं। विजय को इतनी बड़ी जीत की 5 वजहें- 1. विजय का स्टारडम, विजय ही पार्टी, विजय ही मुद्दा-28 साल के भास्कर चेन्नई में रहते हैं। डीएमके और स्टालिन के समर्थक थे। सरकार का काम भी पसंद करते थे। 23 अप्रैल को वोटिंग वाले दिन थलापति विजय की पार्टी टीवीके को वोट दे दिया।

बोले कि माहौल बदल गया है। अब विजय ही इकलौते विकल्प हैं। वही तमिलनाडु में बदलाव ला सकते हैं। ये सिर्फ भास्कर की कहानी नहीं है। सेंट्रल और नॉर्थ तमिलनाडु के अलग-अलग इलाकों में चुनाव से 2 दिन पहले वोटर का मूड बदल गया। चुनाव की कवरेज करते हुए हम थलापति विजय की लहर महसूस कर पा रहे थे। हमने विजय की कई रैलियां और रोड शो भी कवर किए। चेन्नई के टीनगर की रैली में विजय के लिए लोगों में दीवानगी देखी। विजय को देखते ही एक शख्स पहले जोर से चिल्लाया, फिर रोने लगा। विजय की एक झलक के लिए उसने 6 घंटे धूप में खड़े होकर इंतजार किया था। विजय का रोड शो शाम को 4 बजे था, लेकिन भीड़ सुबह 11 बजे से जुटने लगी। पूरे इलाके में बैरिकेडिंग कर दी गई। हजारों लोग तेज धूप में बैरिकेड के पीछे खड़े रहे। मकसद सिर्फ एक, विजय की एक झलक मिल जाए। बस से 300 किमी सफर करके आया एक लड़का, बेटे को लेकर आई मां, 61 साल की बुजुर्ग महिला सभी को सिर्फ एक बार विजय को देखना था। इन लोगों को नहीं पता था कि विजय सरकार में आकर क्या करेंगे, उनके मेनिफेस्टो में क्या वादे हैं, वे स्टालिन सरकार से क्या अलग करेंगे। फिर भी वे विजय को मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते थे। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

भारत की कूटनीतिक धाक! जयशंकर ने जमैका में दिखाया दम,अहम मुद्दों पर की चर्चा

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जमैका की राजधानी किंग्सटन में प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं भी उन तक पहुंचाईं। बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच भारत-जमैका संबंधों को और मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। खासतौर पर राजनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच आपसी संपर्क को बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया। जयशंकर ने जमैका के प्रधानमंत्री की इस प्रतिबद्धता की सराहना की कि दोनों देशों के रिश्तों को और गहराई देने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत और जमैका के बीच सहयोग के नए आयाम खुल रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और जमैका के बीच संबंध 'निरंतरता और बदलाव' से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि यह संबंध साझा इतिहास पर आधारित हैं जो वर्तमान सहयोग से मजबूत हो रहा है और भविष्य में अधिक संभावनाओं की ओर अग्रसर है।

ऑयल पोर्ट पर ईरान ने कल हमला किया था जिससे यूएई में 3 भारतीयों के घायल होने पर भारत नाराज,मोदी बोले- इसे स्वीकार नहीं करेंगे

तेहरान। यूएई के फुजैराह में ऑयल पोर्ट पर हुए हमले को लेकर भारत ने नाराजगी जताई है। सरकार ने कहा कि तीन भारतीयों का घायल होना गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा बंद करने और आम लोगों को निशाना न बनाने को कहा है। भारत ने कहा कि हालात को संभालने का सही रास्ता बातचीत और कूटनीति है, ताकि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बनी रहे। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बिना रुकावट जारी रहनी चाहिए। इससे पहले यूएई ने दावा किया था कि हमला ईरान की तरफ से हुआ था। उन्होंने 12 बैलिस्टिक मिसाइल, 3 क्रूज मिसाइल और 4 ड्रोन को रोकने में कामयाबी पाई। हालांकि ईरान ने यूएई के इस आरोप पर कोई जवाब नहीं दिया है। पीएम मोदी ने भी इस घटना को लेकर पोस्ट किया और कहा कि आम लोगों और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। पिछले 24 घंटे के 4 बड़े अपडेट्स-1. यूएई के ड्रोन प्लांट पर हमलाः- ईरान ने यूएई के फुजैराह में एक पेट्रोलियम प्लांट पर ड्रोन हमला किया। इससे इंडस्ट्री एरिया में आग भड़क उठी। इसमें 3 भारतीय भी घायल हुए हैं। 2. प्रोजेक्ट फ्रीडम शुरूः- अमेरिका ने होर्मुज के आसपास प्रोजेक्ट फ्रीडम पहल शुरू किया। इसके तहत होर्मुज में फंसे विदेशी जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद करने का वायदा किया गया है। 3. साउथ कोरियाई जहाज पर हमलाः- होर्मुज स्ट्रेट में दक्षिण कोरिया के एक जहाज पर हमला हुआ जिससे आग लग गई। ट्रम्प का कहना है कि यह हमला ईरान ने किया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।4. जब्त ईरानी जहाज सौंपाः- अमेरिकी सेना ने जब्त ईरानी जहाज टूस्का को पाकिस्तान को सौंप दिया। इसे 22 क्रू मेंबर के साथ ईरान भेजा गया। अमेरिकी नेवी ने 21 अप्रैल को इस जहाज को पकड़ा था। 5. ईरान में तीन लोगों को फांसीः- ईरान में मोसाद से जुड़े होने के आरोप में लोगों को फांसी दे दी गई। इन पर जनवरी 2026 में तख्तापटल की साजिश का आरोप था। इस साल 25 राजनीतिक कैदियों को फांसी दी जा चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा सीजफायर अभी कायम है या नहीं। सीएनएन के मुताबिक एक रेडियो होस्ट ने जब उनसे पूछा कि क्या सीजफायर खत्म हो गया है और क्या हमले फिर शुरू हो सकते हैं, तो ट्रम्प ने कहा, 'मैं आपको यह नहीं बता सकता।' उन्होंने कहा, 'अगर मैं इस सवाल का जवाब दे दूं, तो आप कहेंगे कि यह आदमी राष्ट्रपति बनने के लायक नहीं है।' होर्मुज स्ट्रेट में सोमवार को दोनों तरफ से फायरिंग हुई थी। जिसके बाद सीजफायर के टूटने की आशंका जाहिर की जाने लगी।

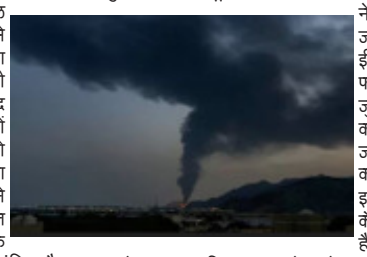

ऑप्रेशन सिंदूर-मसूद अजहर ने ऑपरेशन सिंदूर में तबाह जैश हेडक्वार्टर को युद्धस्तर पर फिर से बनाया, खुलासा

इस्लामाबाद। भारत ने बीते साल मई में ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च करते हुए पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर मिसाइलें दागी थीं। इस दौरान पंजाब में जैश-ए-मोहम्मद के हेडक्वार्टर को एक सटीक हमले में तबाह कर दिया गया था। आतंकी मसूद अजहर का गुट जैश अब इस नुकसान से उबरते हुए फिर से सक्रिय हो रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि बहावलपुर में जैश के हेडक्वार्टर में बड़े पैमाने पर निर्माण का काम चल रहा है। इसकी कई इमारतों को बना लिया गया है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि जैश-ए-मोहम्मद बहावलपुर में अपने मुख्यालय का फिर से निर्माण कर रहा है। पाकिस्तान के पंजाब में एन-5 नेशनल हाईवे के पास स्थित 'जामिया सुभान अल्लाह' नाम के इस परिसर की बीते महीने की सैटेलाइट तस्वीरों में यहां भारी मशीनरी और निर्माण वाहन दिखाई दिए हैं। अमेरिका स्थित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी वैंटोर और इंडिया टुडे की ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस टीम ने सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर बताया है कि परिसर स्थित मस्जिद के क्षतिग्रस्त गुंबदों की मरम्मत कर दी गई है। इन पर हाल ही में काम किया गया है। आसपास की कई इमारतों को हाल-फिलहाल में ठीक किया गया है। बहावलपुर जैश का अकेला ठिकाना नहीं है, जहां मरम्मत का काम चल रहा है। 22 अप्रैल की तारीख वाली सैटेलाइट तस्वीरों में पाकिस्तान के कब्जे वाली कश्मीर के मुजफ्फराबाद में भी जैश के ठिकानों पर निर्माण दिखा है। जैश से जुड़े ठिकाने सैयदना बिलाल मस्जिद को बनाया जा रहा है। इस मस्जिद पर भी हमला किया गया था। शोधकर्ता डेमियन साइमन-'हालिया तस्वीरें संकेत देती हैं कि बहावलपुर में जैश हेडक्वार्टर का पुनर्निर्माण चल रहा है। परिसर में बने गुंबद अब ठीक दिखाई दे रहे हैं। परिसर में अन्य गतिविधियां भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं। इन ठिकाने पर भारी मशीनरी देखी गई है।' इंटेल लैब के भू-खुफिया शोधकर्ता डेमियन साइमन ने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा कि बहावलपुर स्थित उस ठिकाने पर पुनर्निर्माण का काम चल रहा है, जिसे पहले भारत ने निशाना बनाया था। मरकज सुभान अल्लाह के ऊपर बने गुंबद अब ठीक किए हुए दिखाई दे रहे हैं। यह इसे पूरी तरह से चालू करने की कोशिश है। साइमन का कहना है कि हमलों से क्षतिग्रस्त हुई इमारतों का मलबा हटाया जा रहा है। वहीं मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल मस्जिद को पूरी तरह से फिर बनाया जा रहा है। भारत के हमलों में मस्जिद की इमारत को जो नुकसान पहुंचा था। उसके बाद मरम्मत करना मुमकिन नहीं था। ऐसे में इसे दोबारा बनवाने का फैसला लिया गया है। पाकिस्तान में आतंकी गुटों की गतिविधियों पर एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) की निगरानी है। इसका काम टेरर फाइनेंसिंग को रोकना है। जैश खुलेआम 'सुभान अल्लाह कंपाउंड' को फिर से बनाने के लिए पैसे जुटाने का अभियान चला रहा है। एफएटीएफ इस मामले में पूरी तरह बेखबर दिख रहा है। ये तस्वीरें दिखाती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को पनाह मिलना और उनका फलना-फूलना जारी है। जैश सरगना अजहर मसूद अपनी गतिविधियां लगातार कर रहा है।

बांग्लादेशी विदेश मंत्री की चीन यात्रा से पहले भारतीय राजदूत ने की मुलाकात, तीस्ता प्रोजेक्ट पर हो सकता है मदभेद!

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉक्टर खलीलुर्रहमान ने ढाका में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा से विदाई भेंट की है। उन्होंने सोमवार को वर्मा से मिलने के बाद कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ आपसी रूप से लाभकारी और अच्छे संबंध चाहता है। रहमान की प्रणय वर्मा से विदेश मंत्रालय में यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब वह चीन जाने की तैयारी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि बांग्लादेश कई मुद्दों पर दोनों देशों से बात कर रहा है। इसमें तीस्ता प्रोजेक्ट भी एक अहम मामला है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, खलीलुर्रहमान ने सोमवार को भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा से मिलकर उनको ढाका में अपना कार्यकाल पूरा करने पर बधाई दी। भारतीय उच्चायुक्त ने अपने पूरे कार्यकाल के दौरान उन्हें मिले सहयोग और समर्थन के लिए बांग्लादेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। चीन ने कहा है कि बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर्रहमान इस सप्ताह चीन का दौरा करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि बांग्लादेश लंबे समय से उसका मित्र और करीबी पड़ोसी है। राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से पिछले पांच दशकों में दोनों देशों ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों के आधार पर और समानता के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों का विकास किया है। चीन ने कहा है कि बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है। ऐसे में रहमान के दौरे के माध्यम से बीजिंग को उम्मीद है कि वह बांग्लादेश की नई सरकार के साथ मिलकर काम करेगा। बीजिंग ने कहा कि चीन-बांग्लादेश व्यापक रणनीतिक सहकारी साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने पर काम किया जाएगा। बांग्लादेश में तीस्ता प्रोजेक्ट पर चीन और भारत में लंबे समय से एक रस्साकशी है। शेख हसीना ने पीएम रहते हुए कहा था कि चीन के बजाय भारत तीस्ता नदी के बांग्लादेशी हिस्से के संरक्षण और विकास की परियोजना को अपने हाथ में ले तो बेहतर होगा। वहीं यूनुस की अंतरिम सरकार ने इसके लिए चीन को तरजीह दी। शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार सरकार ने तीस्ता प्रोजेक्ट में चीनी कंपनियों को शामिल करने पर जोर-शोर से किया। प्रस्तावित तीस्ता प्रोजेक्ट का कंस्ट्रक्शन जोन भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बिलकुल करीब है। ऐसे में यह भारत की सुरक्षा चिंता को बढ़ाता है। बांग्लादेश के प्रस्तावित तीस्ता प्रोजेक्ट का चिकन नेक के पास होने की वजह से इस पतली पट्टी के नजदीक कोई भी हलचल भारत के लिए रणनीतिक चिंता की बात है। ऐसे में तीस्ता प्रोजेक्ट में चीन के शामिल होने से भारत की चिंताएं हैं। ऐसे में भारत की ओर से कोशिश की जाएगी कि तारिक रहमान सरकार उसकी चिंताओं को हल करे।

शशि थरूरः- पीएम मोदी- अमित शाह ने अच्छा काम किया,हम सीख सकते हैं', बीजेपी की जीत पर बोले कांग्रेस सांसद

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल और असम में बीजेपी की शानदार जीत को लेकर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि वह चुनाव करवाने में बहुत ही बढ़िया हैं। बीजेपी ने पश्चिम बंगाल की 294 सीटों में से 207 और असम में 126 में से 82 सीटें जीत ली हैं। इस जीत के साथ ही असम में बीजेपी ने सत्ता की हैट्रिक बनाई है और वह भी पहली बार अपने दम पर पूर्ण बहुमत से और बंगाल में पहली बार जीतकर ममता बनर्जी के 15 साल के शासन का अंत किया है। केरल के तिरुवनंतपुरम में सोमवार को एएनआई से कांग्रेस सांसद ने कहा, 'उन्होंने (पीएम मोदी और अमित शाह)बंगाल और असम में बढ़िया काम किया है और काफी हद तक इस वजह से क्योंकि वे चुनाव के संचालन में बहुत ही अच्छे हैं।' थरूर का कहना है कि 'वे (बीजेपी) प्रोफेशनली ऑर्गेनाइज्ड हैं। उनके पास बहुत ही मजबूत संगठन है। चुनाव अभियान में वे वित्तीय संसाधन समेत हर संसाधन लगाते हैं।' शशि थरूर, कांग्रेस सांसद-'कुछ ऐसी चीजें हैं, जो कि हम में सभी उससे सीख सकते हैं। हम एक ही उम्मीद करेंगे कि उनका संदेश भारतीयों को जोड़ने वाला होगा, न कि उन्हें बांटने वाला।' केरल में कांग्रेस गठबंधन को मिली बड़ी जीत बड़ी बात ये है कि शशि थरूर ने सिर्फ बीजेपी की तारीफ ही नहीं की है,पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद अपनी कांग्रेस पार्टी को भी 'गंभीर आत्म चिंतन' के लिए कह दिया है।

केरल में कांग्रेस की अगुवाई में यूडीएफ को बड़ी जीत मिली है। 140 सीटों में अकेले कांग्रेस ने 63 सीटें हासिल की हैं। जबकि, कांग्रेस की पुरानी सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को राज्य में 22 सीटें मिली हैं। शशि थरूर, कांग्रेस सांसद-'मैं समझता हूं कि पार्टी (कांग्रेस) कुछ गहरा आत्म चिंतन करेगी, इसके बारे में कोई संदेह नहीं है। हम पहले भी कह चुके हैं और आज हमारे सामने बहुत अच्छा उदाहरण है कि क्या सही रहा।' शशि थरूर के मुताबिक, 'केरल में अगर हम इसे ठीक कर सकते हैं, तो दूसरे जगह इसे ठीक करने के लिए हम क्या कर सकते हैं? यह एक सबक है जो कांग्रेस पार्टी को सीखनी चाहिए।'

प्रयागराज समेत 6 जिलों में बारिश, 42 में अलर्ट,बड़े मंगल पर भंडारे, 20 हजार शादियां

लखनऊ। यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह से लखनऊ, आगरा, प्रतापगढ़, अमेठी, गाजीपुर और भदोही में रिमझिम बारिश हो रहा थी। बाराबंकी, सीतापुर, अयोध्या, कानपुर, रायबरेली समेत आसपास के इलाकों में बादल छाए हैं। तेज सर्द हवाओं की वजह से हल्की ठंड का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग ने 42 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है।बिजली भी गिर सकती है। इसलिए अलर्ट मोड पर रहें। जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। बड़ा मंगल के अवसर पर प्रदेश में जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया। इसी क्रम में प्रयागराज सिविल लाइंस स्थित तुलसियानी प्लाजा के व्यापारियों में मिलकर भंडारे का आजोजन किया पर अच्छी बात ये रही की प्रयागराज का मौसम खुशनुमा रहा और आंधी बारिश जैसी कोई दिक्कत नहीं हुई। बात अगर मौसम की करें तो प्रदेश भर में 10-15 हजार शादिया हैं। ऐसे में बारिश से भंडारे और शादियों में खलल पैदा हो सकती है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो अयोध्या, सीतापुर और बाराबंकी में ओले गिरे। वाराणसी, कानपुर समेत 22 जिलों में आंधी-बारिश हुई। सबसे ज्यादा 130 मिमी बारिश संभल में रिकॉर्ड की गई। आंधी-बारिश की वजह से पीलीभीत में ईंट-भट्ठे की 100 फीट ऊंची चिमनी ढह गई। गाजीपुर में कच्चे मकान की दीवार ढह गई।

डीएम ने निर्माणाधीन सभागार एवं पुस्तकालय का किया स्थलीय निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज अवध केसरी राणा बेनी माधव बख्श सिंह की स्मृति में निर्माणाधीन सभागार एवं पुस्तकालय का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने अवगत कराया कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुसार प्रगति पर है। शेष धनराशि शासन से समय पर प्राप्त होते ही कार्य को निर्धारित अवधि में पूर्ण कर लिया जाएगा। परियोजना के प्रथम चरण (फेज-01) का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील दत्त, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सुधीर गिरि, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन के सहायक प्रोजेक्ट अभियंता संदीप कुमार, जूनियर इंजीनियर विनय वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

45 लीटर अवैध कच्ची शराब व 150 किलो लहन बरामद कर किया नष्ट व 03 अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 2 रोबिन आर्य द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा सदर तहसील के मिल एरिया थाना अंतर्गत संदिग्ध ग्राम - मालिन का पुरवा एवं पचखरा में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों में दबिश के दौरान जनपद में कुल 45 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं 150 किलो लहन बरामद कर लहन को मौके पर नष्ट किया गया एवं 03 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला कारागार का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा द्वारा क्लीनिक एवं बन्दियों के हितों से संबंधित मामलों के सम्बन्ध में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा द्वारा साप्ताहिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने जेलर हिमांशु रौतेला से जेल के अंदर कैदियों की स्थिति व रखरखाव के बाबत जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निरीक्षण में कुल 984 बन्दी निरुद्ध बताये गये। सचिव ने कारापाल को महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल कराने तथा उन्हें समय से दवा आदि उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इस अवसर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन भी किया गया। सचिव ने बंदियों से बात कर उनकी परेशानियों, विधिक समस्याओं एवं जेल में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। सचिव ने बन्दियों को बताया कि जेल में किसी भी प्रकार की समस्या हो तो वह जेल में स्थापित लीगल ऐड क्लीनिक के माध्यम से विधिक मदद ले सकते हैं। शिविर में चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल राजकुमार सिंह, असिस्टेंट लीगल एड डिफेन्स काउंसिल विपिन कुमार, उपकारापाल अंकित गौतम व धर्मपाल सिंह उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर का बिल अब पोस्टपेड की तरह आएगा,योगी सरकार ने प्रीपेड सिस्टम खत्म किया

लखनऊ। यूपी में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर बढ़ते आक्रोश और विवाद के बीच योगी सरकार ने 70 लाख बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। प्रदेश में प्रीपेड सिस्टम खत्म कर दिया गया है। अब सभी स्मार्ट मीटर पोस्टपेड मीटर की तरह काम करेंगे। यानी प्रीपेड सिस्टम (पहले रिचार्ज) की व्यवस्था खत्म की जा रही है। उपभोक्ताओं को फिर से हर महीने का बिल मिलेगा। बकाया किस्तों में जमा करने की सुविधा भी दी जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में एक महीने के भीतर बिजली न काटी जाए और शिकायतों का प्राथमिकता पर निस्तारण हो। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा-'उपभोक्ता देवो भवः। तकनीकी दिक्कतों और उपभोक्ताओं की शिकायतों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि लोगों को राहत मिल सके' .प्रदेश में स्मार्ट मीटर का कई महीनों से विरोध हो रहा है। 25 अप्रैल को ऊर्जा मंत्री ने कहा था कि 1 किलोवाट तक के कनेक्शन पर 30 दिन तक और 2 किलोवाट पर 200 रुपए माइनस होने पर भी बिजली नहीं काटी जाएगी। इसके बाद भी लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। रविवार को आगरा, फिरोजाबाद, फतेहपुर समेत कई शहरों में महिलाएं सड़कों पर उतर आईं। उन्होंने घरों से मीटर उखाड़कर बिजली विभाग के दफ्तरों में फेंक दिए। सपा और आम आदमी पार्टी ने भी प्रदर्शन किए। सोमवार को शक्ति भवन में बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अहम बैठक की। प्रदेश में हो रहे प्रदर्शनों को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। स्मार्ट/प्रीपेड मीटर से हो रही परेशानी को देखते हुए मंत्री शर्मा ने कहा- 'मैंने पहले भी कहा था कि उपभोक्ता को परेशान नहीं होना पड़ेगा। प्रदेश में अब सभी स्मार्ट मीटर सामान्य पोस्ट-पेड मीटर की तरह कार्य करेंगे। प्री-पेड नाम की व्यवस्था पूरी तरह समाप्त कर दी गई है।' ये फैसले लिए गए- अब मीटर प्रीपेड नहीं, बल्कि पूरी तरह पोस्ट-पेड मोड में चलेगा। मासिक बिल पुराने तरीके से ही आएगा। महीने की 1 से 30 तारीख तक का बिल अगले 10 दिनों में एसएमएस या व्हाट्सप्प पर भेजा जाएगा। बिल मिलने के बाद दी गई समय-सीमा में बिल जमा करना होगा। बिजली विभाग के संदेशों के लिए अपना फोन नंबर अपडेट करा लें। किसी भी स्थिति में महीने के अंदर बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। पुराना बकाया हो तो उसे 10 आसान किश्तों में भरने की सुविधा दी जाएगी। पुराने मीटरों को स्मार्ट-प्रीपेड मीटर से बदलने का काम स्थगित कर दिया है। हाल में लगे स्मार्ट मीटरों से जुड़ी शिकायतों का तुरंत समाधान करने को प्राथमिकता दी जाएगी।

मैहर जिले के देहात नादन क्षेत्र में मौसम का कहर, ओलावृष्टि के साथ तेज बारिश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)मैहर। जिले के देहात नादन क्षेत्र में अचानक बदले मौसम ने जनजीवन प्रभावित कर दिया। क्षेत्र में जोरदार बारिश के साथ ओलावृष्टि (बर्फबारी) लगभग 100-100 ग्राम हुई, जिससे किसानों को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि दोपहर बाद मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ काले बादल छा गए। इसके बाद अचानक बारिश शुरू हो गई और कुछ ही देर में बड़े-बड़े ओले गिरने लगे। करीब एक घंटे तक चली इस बारिश और ओलावृष्टि ने खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाया है। स्थानीय किसानों को अन्य रबी फसलों पर इसका सीधा असर पड़ा है। कई जगहों पर फसलें जैसे उड़द और मूंग, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की संभावना है। वहीं मौसम के इस बदलाव से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत जरूर मिली, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ गई है।

पुलिस अधीक्षक रायबरेली ने चोरी हुए 101 मोबाइल उनके स्वामियों को सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। पुलिस अधीक्षक रायबरेली ने संविधान सेल के माध्यम से कार्यवाही करते हुए कल 101 मोबाइल बरामद किया। बरामद उन मोबाइल फोन को उनके स्वामियों को सौंपा। बरामद मोबाइलों में वीवो 22 रियलमी 16 वनप्लस 3 मोटरोला 1 ओप्पो 21 सैमसंग 11 रेडमी 14 इंफिनिक्स 2 आईक्यू 1टेक्नो 3 पोको 4 लावा 3 कुल 101 थे, जिनमें से कुल 37 मोबाइल थाना बछरावां ने बरामद किया। बछरावां थाने की इस कार्रवाई की पुलिस अधीक्षक ने प्रशंसा की। मोबाइल स्वामी अपने अपने मोबाइल पाकर बहुत प्रसन्न हुए और पुलिस अधीक्षक को धन्यवाद ज्ञापित किया।

डीएम के आदेश पर 11 नये गेहूँ क्रय केंद्र खोले गए,जनपद में कुल 104 गेहूँ क्रय केन्द्र स्थापित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत जनपद रायबरेली में क्रय एजेंसी द्वारा प्रेषित प्रस्तावों के अनुसार 93 गेहूँ क्रय केन्द्र खोले जाने हेतु अनुमोदित किए जा चुके हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार क्रय एजेंसी पी0सी0एफ0 के 08 एवं पी0सी0यू0 के 03 के प्रेषित प्रस्तावों के अनुसार कुल 11 नये खोले जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके अनुसार तहसील सदर के ब्लॉक राही में 15, अमावां में 06, ब्लॉक हरचन्दपुर में 05 एवं ब्लॉक सतांव में 02 गेहूँ क्रय केन्द्र स्थापित है। इसी प्रकार तहसील/ब्लॉक महराजगंज में 14, ब्लाक शिवगढ़ 04, ब्लॉक बछरावां में 04, तहसील/ब्लॉक लालगंज में 03, ब्लॉक सरेनी में 01, ब्लॉक खीरों में 01, तहसील/ब्लॉक ऊँचाहार में 09, ब्लॉक रोहनिया 01, ब्लॉक जगतपुर में 02, तहसील/ब्लॉक डलमऊ में 07, ब्लॉक दीनशाहगौरा में 05, तहसील/ब्लाक सलोन में 11, ब्लॉक डीह में 06 एवं ब्लाक छतोह में 08 गेहूँ क्रय केन्द्र स्थापित है। जिलाधिकारी ने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिये है कि गेहूँ क्रय केन्द्रों पर गेहूँ खरीद से संबंधित समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से पूर्ण कराते हुए शासनादेशानुसार/नियमानुसार समस्त कार्यवाही ससमय पूर्ण कराते हुए कृषकों से अधिक से अधिक गेहूँ क्रय करना सुनिश्चित करेंगे।

जज के फांसी लगातें ही पत्नी घर से भागी,बाहर आईएएस बहन कार लेकर खड़ी थी, ससुर ने पूछा बेटा कहां है? बोली- पता नहीं

अलवर। दिल्ली में सुसाइड करने वाले जज अमन कुमार शर्मा (30) पत्नी से इतने परेशान थे कि उसके सामने ही फंदे पर लटकने बाथरूम में चले गए। पत्नी ने भी उनको रोका नहीं, बल्कि अपनी आईएएस बहन को फोन कर घर बुलाया। फिर दोनों बच्चों को लेकर कार से रवाना हो गईं। इस दौरान अमन के पिता एडवोकेट प्रेम कुमार शर्मा घर की गैलरी में थे। इस पूरी घटना की जानकारी प्रेम कुमार ने पुलिस को दी है। अलवर में रहता हैं परिवार-अमन कुमार मूल रूप से खैरथल-तिजारा के मुंडाना के रहने वाले थे। वर्तमान में उनके घर वाले अलवर शहर के हसन खां मेवात नगर में रहते हैं। अमन की पोस्टिंग दिल्ली के कोर्ट में थी। अमन की पत्नी भी जज हैं। अमन कुमार दिल्ली के ग्रीन पार्क इलाके में पत्नी के साथ रहते थे। उनके दो बच्चे हैं। एडवोकेट प्रेम कुमार शर्मा ने पुलिस को बताया- 2 मई को बहू घर से बच्चों को लेकर जाने लगी तो पूछा कि अमन कहां है? बहू ने जवाब दिया कि मुझे पता नहीं है। फिर से पूछा तब भी यही जवाब दिया। वह घर के बाहर निकल गई। बाहर उसकी आईएएस बहन कार लेकर खड़ी थी। दोनों कार से रवाना हो गईं। बहू ने खुद का मोबाइल भी बंद कर लिया था। इसके बाद कहां गई, कुछ नहीं बताया। इस कारण मुझे चिंता हुई। तुरंत घर के अंदर की तरफ गया। अमन को अवाज लगाई। लेकिन घर में सन्नाटा था। फिर अमन के मोबाइल पर घंटी दी। अमन का फोन बाथरूम में बजा। वापस अमन को कई बार आवाज दी। लेकिन अमन नहीं बोला। आखिर में नौकर को बुलाया गया। नौकर ने बाथरूम के ऊपर लगा कांच तोड़ा। अंदर देखा तो अमन फंदे पर लटका मिला। पिता सदमे में आ गए। बेटे की मौत के दो दिन बाद पिता प्रेम कुमार ने यह पूरी जानकारी दिल्ली पुलिस को दी है। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने पत्नी से प्रताड़ित होकर आत्महत्या करने का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी पत्नी का मोबाइल भी को भी पुलिस ने दिल्ली बुलाया है। उनसे भी जानकारी ली गई है। ताकि आगे कार्रवाई की जा सके। पुलिस अमन की पत्नी को जल्दी गिरफ्तार कर सकती है। न पति को बचाया न अंतिम संस्कार में आई-पिता प्रेम कुमार ने बताया- अमन की मौत का पता चलने पर भी उसकी पत्नी अंतिम संस्कार में नहीं पहुंची। अपने दोनों बच्चों को भी साथ ले गई। अलवर में अमन को मैंने अग्नि दी। अमन बहुत होनहार थे। पहले ही प्रयास में दिल्ली में जज बन गए थे। ट्रेनिंग के दौरान उनकी हरियाणा के सोनीपत की रहने वाली लड़की से मुलाकात हुई थी। बाद में दोनों ने शादी कर ली थी। शादी के बाद सब ठीक चल रहा था। अब अचानक झगड़ा हुआ था। बहन पर झगड़ा बढ़ाने का आरोप-परिजनों ने अमन कुमार की साली पर गृह क्लेश बढ़ाने के आरोप लगाए हैं। जज की साली जम्मू-कश्मीर कैडर में आईएएस अफसर हैं। उसकी कार से ही अमन की पत्नी दिल्ली के घर से रवाना हुई थी। इसके बाद पता नहीं चला कहां गई। यह भी पता चला कि अमन की साली का पति आईपीएस है। पिता को फोन कर कहा था- जिंदगी से परेशान हूं-अमन के चचेरे भाई ने बताया- अमन शर्मा ने 1 मई की रात 10 बजे पिता एडवोकेट प्रेम कुमार शर्मा को फोन कर कहा था कि जिंदगी से परेशान हो चुका हूं। आप एक बार दिल्ली आ जाओ। बेटे के फोन करते ही पिता रात 1 बजे दिल्ली पहुंच गए थे। अगले दिन 2 मई को सुबह बेटे से बातचीत की। तब अमन की पत्नी ने बात-बात में ससुर प्रेम कुमार से कहा कि आप यहां से चले जाओ, वरना पुलिस बुला लूंगी। खुद के सामने पिता का अपमान अमन को बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने बाथरूम में जाकर सुसाइड कर लिया। घटना के बाद प्रेम कुमार शर्मा ने दिल्ली पुलिस में पत्नी से प्रताड़ित होकर बेटे के सुसाइड करने की रिपोर्ट दी है।

सैन समाज के संदर्भ में तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी जिससे सम्पूर्ण सैन समाज में भारी रोष व्याप्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बहरोड। राष्ट्रीय संगठन श्री नारायणी सेना की ओर से मंगलवार को नगर परिषद पार्क मे पंचायत समिति सदस्य कांग्रेस नेता कमल मीणा नारेहडा की अगुवाई में जिला कलेक्टर अर्पणा गुप्ता को ज्ञापन सोपा। प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश सैन ने बताया कि हाल ही मे सार्वजनिक पद पर बैठे तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ योगी द्वारा जेईएन छोटेलाल मिणा को संबोधित करते हुये नाई शब्द का उपयोग किया जाना बेहद आपत्तिजनक ओर निंदनीय है। इस टिप्पणियों को लेकर सैन समाज में रोष व्याप्त है। बारबर युनियन प्रधान राधेश्याम सैन फतेहपुरा कलाँ ने कहा की समाज लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक समरसता को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। कि जनसंवाद में शब्दों का चयन अत्यंत गरिमापूर्ण हो। सामाजिक समरसता और शब्दों की मर्यादा एक विचार किसी भी जीवंत लोकतंत्र में जन प्रतिनिधि केवल एक क्षेत्र का चेहरा नहीं होता, बल्कि वह समस्त समाज के मान-सम्मान का संरक्षक भी होता है। श्री नारायणी सेना प्रदेश प्रवक्ता हिरालाल सैन निमकाथाना व प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सैन पंडितपुरा ने कहा की राजस्थान की धरा हमेशा से 'सर्व जन हिताय' और आपसी भाईचारे की मिसाल रही है। यहाँ हर समाज, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, प्रदेश के सांस्कृतिक और आर्थिक ढांचे की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। सैन समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। सैन समाज त्याग, सेवा और समर्पण का रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष रवि सैन बड़नगर ने कहा की संत शिरोमणि सैन जी महाराज के आदर्शों पर चलने वाला यह समाज अत्यंत परिश्रमी और शांतिप्रिय है। समाज के उत्थान में इस वर्ग की भूमिका को कभी नकारा नहीं जा सकता। जब किसी सार्वजनिक मंच से किसी विशेष समाज के प्रति कोई ऐसी टिप्पणी करता है। तो उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचती है। ओर उस समाज का अपमान होता है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने पर भी एक आघात है। पद की गरिमा और जिम्मेदारी राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है, किंतु संवाद की भाषा में कड़वाहट या उपेक्षा का भाव चिंताजनक है। विधायक जैसे जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति से यह अपेक्षा की जाती है। कि उनके शब्द समाज को जोड़ने वाले हों, न कि तोड़ने वाले। अनजाने में या आवेश में कही गई बातें भी कभी-कभी गहरे घाव दे जाती हैं। श्री नारायणी सेना संगठन यह मांग करता है। की तिजारा के विधायक बाबा बालकनाथ योगी तत्काल सैन समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे अन्यथा भविष्य में उन्हें सैन समाज के भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। इस अवसर पर वित्तिय सलाहकार हव. बनवारीलाल कालोया, हव मदनलाल सैन,जिलाध्यक्ष भीमसैन पवाना, समाज सेवी राकेश सैन खडब,अजय सैन जागीदार बखराना, सैन जयन्ति अध्यक्ष नानक चन्द सैन,दीप चंद्र सैन बनार, विक्रम, ब्राहमण समाज के अध्यक्ष सौरभ शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

मां के त्याग, बलिदान और समर्पण को लेकर एक सम्मान माँ के नाम

जरुरत मंद बच्चों को फ़र्स्टवन रिहैब फाउंडेशन की ओर से बाटें गए जरुरी उपकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 70 फ़र्स्टवन रिहैब फाउंडेशन द्वारा एक सम्मान माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसको उद्देयश् है कि जो मां अपने बच्चों को सहारा देती हैं उस मां को हम सबको माँ के प्रति अपना स्नेह जताने का समान अवसर दिया जाएं ये संमान उन दिव्यांग बच्चों की मां के त्याग, बलिदान और समर्पण को लेकर दिया गया। संस्था के निदेशक डॉ. महिपाल सिंह ने कहा, हमारा उद्देश्य सिर्फ इलाज तक सीमित नहीं, बच्चों और उनके परिवार को समाज में सम्मान और अस्तित्व दिलाना है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना और उनके मन के योगदान को पहचानना था। इस मौके पर संस्था ने दिव्यांग बच्चों को उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण और अध्ययन किट प्रदान की। इसमें कूलर, पंखा, इलेक्ट्रॉनिक बुक, पज़ल, वॉकर, स्टिक, सीपी चेयर जैसी चीजें शामिल थीं। साथ ही फर्स्टोन के बच्चों द्वारा तैयार किए गए हैंडवॉश और ग्लास क्लीनर गिफ्ट के रूप में दिए गए। बच्चों को ये भी समझा गया कि कैसे वो स्वयं रोजगार शुरू करके समाज का हिसा बन सकते हैं।कार्यक्रम में माता-पिता को घर पर बच्चों की एक्सरसाइज करवाने की ट्रेनिंग दी गई। मां को विशेष रूप से उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया, ताकी वो अपनी सेहत का ध्यान रखें और बच्चों के इलाज में रुकावत ना बने। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. त्रिभुवन सिंह ने फर्स्टस्टोन रिहैब फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की। अन्होने कहा महिलाओं का सम्मान और स्वस्थ घर और समाज को सशक्त बनाता है। आज हमने यहां वही सच जीता देखा।'कार्यक्रम का सबसे भावुक पल तब आया जब फर्स्टस्टोन की टीम ने अपने हाथों से बच्चों को लंच करवाया। इस दोस्त को संस्था ने गर्व और अपार सुख का दोस्त कहा। कार्यक्रम के अंत में संस्था ने ये संदेश दिया कि दिव्यांग बच्चे और उनकी मां समाज के लिए प्रेरणा हैं, और उन्हें सिर्फ थोड़े साथ और सम्मान की जरूरत है।

राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा के दिशा-निर्देशन में श्रमिकों के विधिक अधिकार विषय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली तहसील सदर के अन्तर्गत बिरला कॉर्पोरेशन रायबरेली में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस जागरूकता शिविर में नायब तहसीलदार रमाशंकर मिश्र के द्वारा श्रमिकों हेतु शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल जय सिंह यादव के द्वारा शिविर में उपस्थित श्रमिकों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरुक करते हुए बताया गया कि यह दिन श्रमिकों के योगदान को याद करने और उनके संघर्षों को सम्मानित करने के लिए भी मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1886 में शिकागो के हेमार्केट स्क्वायर में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की याद में मनाया जाता है, जहां अनेक श्रमिकों ने 8 घंटे के कार्य दिवस की मांग की थी। इस अवसर पर पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव द्वारा इस दिन को मनाने का उद्देश्य मज़दूरों के अधिकारों और उपलब्धियों को उजागर करना है। यह दिवस उचित वेतन, सुरक्षित कार्य वातावरण, उचित कार्य घंटे और शोषण के उन्मूलन की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। यह दिन श्रमिकों के बीच एकता के महत्व और सकारात्मक बदलाव लाने में सामूहिक कार्रवाई की भूमिका पर भी जोर देता है। जागरुकता शिविर में उपस्थित श्रमिकों को जानकारी प्रदान की गयी कि उन्हें कभी भी किसी प्रकार की विधिक सहायता की आवश्यकता होने पर वह ए0डी0आर0 सेन्टर छजलापुर स्थित कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में उपस्थित होकर विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त जागरूकता शिविर में पराविधिक स्वयंसेवक मनोज कुमार प्रजापति के द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निशुल्क विधिक सेवाओं के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। इस जागरूकता शिविर मे बड़ी संख्या में श्रमिक व यूनिट हेड सुनील कुमार कोठारी, लेबर आफीसर मान सिंह कुशवाहा, शिवशंकर पाल श्रम परिवर्तन अधिकारी, सिक्योरिटी हेड अमेय विक्रम सिंह, सी0एस0आर0 हेड शिव गोविन्द सिंह व पराविधिक स्वयं सेवक अजीत कुमार उपस्थित रहे।

मा0 सदर विधायक ने 12 किसानों को क्षतिपूर्ति के डमी चेक किए वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अन्तर्गत बीमित कृषकों को देय क्षतिपूर्ति का वितरण कार्यक्रम जनपद स्तर पर आज महात्मा गांधी सभागार विकास भवन मे माननीय सदर विधायक श्रीमती अदिति सिंह की उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम मे लाभान्वित कृषकों मे से 12 किसानो को क्षतिपूर्ति के डमी चेक का वितरण किया गया । क्षतिपूर्ति से लाभान्वित सभी किसानो को क्षतिपूर्ति का भुगतान पी0एफ0एम0एस0 प्रणाली के माध्यम से रबी वर्ष-2025-26 के 434 किसानो को रू0-2768324 डी0बी0टी0 के माध्यम से किसानो के खातों मे भेजा गया इसके साथ ही खरीफ-2025 की अवशेष क्षतिपूर्ति की धनराशि रू0-1026553 सभी लाभान्वित कृषकों को सीधे खाते में भेजा जायेगा। उप कृषि निदेशक रायबरेली द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसलों की क्षति की स्थिति मे देय क्षतिपूर्ति की स्थितियों एवं फसलों की प्रीमियम दरो के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता द्वारा कृषि विविधीकरण एवं मत्स्य पालन को बेहतर तरीके से करते हुए किसानो की आय बढ़ाने पर बल दिया गया। मा0 विधायक सदर अदिति सिंह द्वारा किसानो सम्बोधित करते हुए कहा कि अन्नदाता किसान सरकार की प्राथमिकता मे सम्मिलित है तथा क्षतिपूर्ति का भुगतान इस बार रिकार्ड समय मे सरकार द्वारा किसानो के हित में किया गया है। उनके द्वारा यह भी कहा गया कि खेती में प्राकृतिक कारणो के जोखिमों को रोका नही जा सकता है किन्तु फसल बीमा से आच्छादित रहने पर विपरीत परिस्थितियों मे क्षतिपूर्ति वेक माध्यम से कुछ सीमा तक उसकी भरपाई की जा सकती है। जनपद वेक अधिक से अधिक किसानो को इस योजना से जुडने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्रा, जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा, सहायक निदेशक मत्स्य मो0 इरफान, जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय, उपयुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, अग्रणी जिला प्रबन्धक विमल कुमार दुबे समेत बीमा कम्पनी वेक कर्मचारी सहित किसान उपस्थित रहे।

शिक्षा मित्र केवल शिक्षक नहीं होते, बल्कि वे समाज के निर्माणकर्ता होते हैं - मा0 उद्यान मंत्री

शिक्षामित्रों ने अपने समर्पण, मेहनत और सेवा भाव से शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण दिया योगदान - अदिति सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रदेश क 1.43 लाख शिक्षामित्रों की मानदेय बढ़ोतरी के उपलक्ष्य में शिक्षामित्र सम्मान समारोह का आयोजन गोरखपुर में किया गया। कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इसी क्रम में जनपद में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गोपाल सरस्वती इण्टर कॉलेज में किया गया, जिसमें मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात विभाग, उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह, मा0 विधायक सदर अदिति सिंह, मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता द्वारा प्रतिभाग किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को सुना गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम में जनपद के 16 शिक्षा मित्रों को बढ़े हुए मानदेय का डमी चेक वितरित किया गया, इसके साथ ही प्रत्येक विकास खण्ड के 02 एवं नगरीय क्षेत्र कुल 39 शिक्षामित्रों को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मानदेय वृद्धि से जनपद के 2093 शिक्षामित्र लाभान्वित हुए। मा0 उद्यान मंत्री ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि आज का यह अवसर अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक है। हम यहाँ उन शिक्षा मित्रों का सम्मान करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी निष्ठा, परिश्रम और समर्पण से समाज को एक नई दिशा दी है। शिक्षा मित्र केवल शिक्षक नहीं होते, बल्कि वे समाज के निर्माणकर्ता होते हैं।

आपने कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बच्चों के भविष्य को संवारने का जो कार्य किया है, वह वास्तव में सराहनीय है। उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा मित्रों के मानदेय में वृद्धि भी की और उनके सम्मान को उनकी चौखट तक पहुंचाने का भी कार्य किया है, इसी क्रम में आज यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मा0 उद्यान मंत्री ने कहा कि शिक्षा मित्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। आप सभी ने ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में शिक्षा की ज्योति जलाए रखी, जिसके लिए आप बधाई और धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि आज जब आपको सम्मानित किया जा रहा हैं, तो यह केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि आपके समर्पण और सेवा के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है।

यह सम्मान आपको आगे भी और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। मा0 विधायक सदर अदिति सिंह ने कहा कि आज हम उन शिक्षा मित्रों का सम्मान करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने अपने समर्पण, मेहनत और लगन के साथ शिक्षा की अलख जगाई है, वह अत्यंत सराहनीय है। मैं यह मानती हूँ कि किसी भी प्रदेश का विकास उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है, और इस व्यवस्था को मजबूत बनाने में आप सभी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपने केवल बच्चों को पढ़ाया ही नहीं, बल्कि उनमें संस्कार, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी जगाई है। मा0 विधायक सलोन ने कहा कि आज का यह सम्मान आपके कार्यों की सराहना मात्र नहीं, बल्कि यह एक संदेश भी है कि समाज आपके योगदान को पहचानता है और उसका सम्मान करता है। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम शिक्षा को और अधिक सशक्त बनाएं और हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाएं।

उन्होंने कहा कि मैं आप सभी शिक्षा मित्रों से अपेक्षा करता हूँ कि आप इसी उत्साह और समर्पण के साथ आगे भी कार्य करते रहेंगे और समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। मैं सभी सम्मानित शिक्षा मित्रों को मानदेय वृद्धि की बधाई देता हूं एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षामित्रों को बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षामित्रों को सीधे 10000 से बढ़ाकर 18000 रूपये मानदेय किया गया है, जिसे अप्रैल 2026 से लागू भी कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें पांच लाख रूपये तक की चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

इससे पूर्व कम्पोजिट विद्यालय रोझयां भीखमशाह, प्राथमिक विद्यालय डिडौली एवं कस्तुरबा विद्यालय सूची द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा कक्षा पांच की बालिका आवंतिका द्वारा कथक नृत्य प्रस्तुत किया गया।

इसके पश्चात बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया गया।

मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह, उपजिलाधिकारी सचिन यादव, राजेश श्रीवास्तव, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला पंचायत सदस्य राघवेन्द्र प्रताप सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी, शिक्षा मित्र आदि उपस्थित रहें।

रायबरेली-रोजगार मेला 11 मई को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला सेवा योजना अधिकारी तनुजा यादव ने बताया है कि 11 मई 2026 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर रायबरेली में प्रातः 10:00 बजे से किया जाना प्रस्तावित हैं जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनी एस.के.एच मेटल्स लि0, द्वारा प्रतिभाग किया जाना हैं। जिसमें हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0, डिप्लोमा पास अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। हाई स्कूल/इंटर के अभ्यर्थियों का वेतन-21000 एवं आई0टी0आई0/डिप्लोमा के अभ्यर्थियों का वेतन-22000 देय है। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ मूल शैक्षिक अभिलेख एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते हैं। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल http://rojgaarsangam.up.gov.in पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य हैं। पंजीकरण में असुविधा होने पर 155330 टोल फ्री नं0 पर संपर्क किया जा सकता है।

बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट की प्रथम बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जेठ माह के प्रथम बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर श्री हनुमान जी के पूजन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट की प्रथम बैठक आयोजित की गई। यह बैठक ट्रस्ट के पंजीकरण के उपरांत आयोजित की गई, जो विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। बैठक हमारे मुख्य ट्रस्टी सीमा त्रिपाठी जी के निर्देशन में संपन्न हुई। इस दौरान आगामी वर्ष की विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। ट्रस्ट के सांस्कृतिक एवं शैक्षिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए भविष्य की कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, ट्रस्ट के विस्तार को लेकर भी महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया गया। बैठक में शीघ्र ही ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी के गठन को सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया, जिससे संस्थान के कार्यों को और अधिक संगठित एवं प्रभावी रूप से संचालित किया जा सके। यह समस्त बैठक मुख्य ट्रस्टी (अध्यक्ष) एवं ट्रस्टी (सचिव) की उपस्थिति में संपन्न हुई। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में गोपीनाथ संगीत कला ट्रस्ट क्षेत्र में संगीत एवं कला के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पूर्व सांसद रीता जोशी के पति की हुई अंतिम विदाई,डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मंगलवार को बीजेपी की पूर्व सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी के पति स्वर्गीय पी सी जोशी के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किए और पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि दी। डिप्टी सीएम ने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय पी सी जोशी एक सज्जन, सरल एवं समाज के प्रति समर्पित व्यक्तित्व थे। जिनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि बीजेपी की वरिष्ठ नेता और प्रयागराज की इलाहाबाद संसदीय सीट की पूर्व सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी के पति पी सी जोशी का सोमवार सुबह एसजीपीजीआई लखनऊ में ब्रेन हैमरेज के चलते निधन हो गया था। सोमवार शाम उनका पार्थिव शरीर लखनऊ से प्रयागराज स्थित उनके आवास पर लाया गया था। बड़ी संख्या में राजनीतिक, सामाजिक और आमजन उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज दारागंज श्मशान घाट पर नाम आंखों से परिजनों ने उनका अंतिम संस्कार किया। गौरतलब है कि प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी के पति स्वर्गीय पी सी जोशी उच्च शिक्षित थे और उन्होंने मॉस्को से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। अपने करियर में वे कई बड़े संस्थानों में वरिष्ठ पदों पर कार्यरत रहे और नैनी स्थित टीसीएल कम्पनी से रिटायर हुए थे। परिवार की राजनीतिक गतिविधियों में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा और वे हर परिस्थिति में एक मजबूत सहारा बने रहे। उनके निधन से परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। वह अपने पीछे पत्नी प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी,एक पुत्र मयंक और बहू ऋचा को छोड़कर गए हैं।

सपा यूथ ब्रिगेड ने डीएम को सौंपा चार सूत्री ज्ञापन, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

किसानों के गेहूं क्रय में हीलाहवाली व गैस सिलेंडर के बढ़ते दाम पर जताया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष सत्यम पांडे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जिलाधिकारी प्रतिनिधि को चार सूत्री ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों, नौजवानों और जिले में भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाए गए। सत्यम पांडे ने कहा कि जनपद सोनभद्र में दर्जनों लिमिटेड कंपनियां होने के बावजूद नौजवान बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं और अन्य प्रदेशों में पलायन को मजबूर हैं। भाजपा सरकार में नौजवानों का कोई सुनने वाला नहीं है। किसानों के गेहूं क्रय में भारी पैमाने पर हीलाहवाली की जा रही है। तत्काल संज्ञान लेकर गेहूं क्रय किया जाए।उन्होंने बताया कि नगर पालिका में रिकॉर्ड रूम से खसरा रजिस्टर गायब हो गया है, जिससे जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जनपद के विकास कार्यों में अधिकारियों द्वारा भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है, जिसकी जांच कराई जाए। सत्यम पांडे ने कहा कि केंद्र व प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद से महंगाई चरम सीमा पर है। किसानों, नौजवानों, महिलाओं व गरीब तबके के साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। गैस सिलेंडर का दाम बढ़ाकर सरकार गरीबों की कमर तोड़ रही है। समाजवादी पार्टी इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो जन आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। नगर अध्यक्ष सरदार पारब्रह्म सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर है और गरीब तबका पलायन को मजबूर है। समाजवादियों की जिम्मेदारी है कि भाजपा की गलत नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में ही देश-प्रदेश का विकास संभव है। ज्ञापन देने वालों में विवेक सिंह पटेल, गुलाम यासीन, सुशील राय, पीयूष यादव, धीरज पाठक, पिंटू पटेल, बालेश्वर यादव, आदिल अंसारी, विनय तिवारी, अमित मौर्य, फहीम अहमद, विकास सिंह, विशेष पांडे सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी में भाजपा की जीत पर सोनभद्र में जश्न

जिला कार्यालय पर फोड़े पटाखे, राबर्ट्सगंज में निकला विजय जुलूस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष नन्दलाल के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल, असम व पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर, ढोल-नगाड़े बजाकर और मिष्ठान खिलाकर खुशियां मनाईं। इस मौके पर पश्चिम बंगाल चुनाव में प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने वाले ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत व आशीष केशरी का अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर जिलाध्यक्ष ने स्वागत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने कहा कि विधानसभा चुनाव परिणामों में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रचंड जीत हासिल की है। यह सनातन की जीत है। देश में सनातन विरोधी राजनीति अब नहीं चलेगी, जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को तीन-चौथाई बहुमत मिल रहा है, जबकि अन्य राज्यों में भी पार्टी का प्रदर्शन मजबूत रहा है। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, रुबी प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष अमरेश पटेल, महेश्वर चन्द्रवंशी, संतोष शुक्ला, मनोज सोनकर, प्रमिला जायसवाल, आकाश जायसवाल, रजनीश रघुवंशी, पुष्पा सिंह, गुड़िया त्रिपाठी, विनय श्रीवास्तव, दिलिप चौबे, रामबली मौर्या, बलराम सोनी, बृजेश पाण्डेय, रुबी गुप्ता, कविता यादव, रंजन पाण्डेय, अभिषेक गुप्ता, धीरेन्द्र पाण्डेय, अजय श्रीवास्तव, तारा देवी, वंदना वर्मा, सरोज केशरी, ध्रुवकांत द्विवेदी सहित कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे। उधर राबर्ट्सगंज नगर में भी भाजपा की जीत पर विजय जुलूस निकाला गया। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, अजीत चौबे, अजीत रावत के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़े के साथ एक-दूसरे को बधाई दी और मोदी, अमित शाह व योगी के जयकारे लगाए।

5 मनोनीत सदस्यों को एसडीएम ने दिलाई पद व गोपनीयता की शपथ

विधायक भूपेश चौबे बोले- योजनाओं को धरातल पर उतारने में दें सहयोग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महामहिम राज्यपाल, उ.प्र. द्वारा नगर पालिका परिषद सोनभद्र में मनोनीत कुल 5 सदस्यों को सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र के सभाकक्ष में उप जिलाधिकारी सदर अश्विनी कुमार ने शपथ दिलाई। सदर विधायक भूपेश चौबे व नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद की उपस्थिति में संजय श्रीवास्तव, ध्रुवकान्त द्विवेदी, राज बहादुर सिंह पटेल, रमेश जायसवाल व सरोज केशरी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस अवसर पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने राज्य सरकार का धन्यवाद देते हुए सभी मनोनीत सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सदस्यों से सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए पालिका परिवार को सहयोग देने की अपेक्षा की। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद व अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार ने मनोनीत सदस्यों का पालिका परिवार में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बोर्ड में सदस्यों द्वारा प्रस्तुत सुझावों एवं प्रस्तावों का स्वागत किया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा सोनभद्र के कई पदाधिकारी, नगर के गणमान्य नागरिक व पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा एससी मोर्चा क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत रावत को बताया पार्टी के लिए 'लकी', कई राज्यों में दिलाई जीत

कोविड काल से बिहार-बंगाल तक निभाई जिम्मेदारी, कार्यकर्ताओं ने सराहा समर्पण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष, सदर ब्लॉक प्रमुख व भाजपा सोनभद्र जिले के उपाध्यक्ष अजीत रावत को पार्टी के लिए 'लकी' बताया जा रहा है। गरीब परिवार से आने वाले अजीत रावत ने 2021 के कोविड काल की त्रासदी में पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर काम किया और अनेक दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन किया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अजीत रावत को जब-जब जिम्मेदारी दी गई, उन्होंने उस क्षेत्र में भाजपा की जीत सुनिश्चित की। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मंगोलपुरी सीट से राजकुमार चौहान को जिताने में भूमिका निभाई। इसके बाद बिहार बंगाल के दुबराजपुर विधानसभा क्षेत्र 284 में भी भाजपा प्रत्याशी अनूप कुमार शाह को जीत दिलाने में अजीत रावत ने अहम भूमिका निभाई। विपरीत परिस्थितियों में तीन महीने प्रवास कर उन्होंने सीट जिताने का काम किया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि अपनी मेहनत और लगन के बल पर अजीत रावत ने कई राज्यों में भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनवाने में योगदान दिया। पार्टी द्वारा सौंपी गई हर जिम्मेदारी को उन्होंने पूरी निष्ठा और मेहनत से निभाया है।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का 15 मई को होगा शपथ ग्रहण समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र की मंगलवार को एक आवश्यक बैठक डीबीए भवन में हुई, जिसमे सत्र 2025-26 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष एड अरुण कुमार सिंह, महामंत्री एड राजेन्द्र कुमार यादव एवं समस्त कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह के सम्बंध में विचार-विमर्श किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से 15 मई को पूर्वान्ह 11.00 बजे तहसील सभागार रॉबर्ट्सगंज में शपथग्रहण समारोह के आयोजन का निर्णय लिया गया है। मीडिया प्रभारी राजेश यादव एडवोकेट ने बताया कि मुख्यअतिथि यूपी बार काउंसिल के पूर्व चेयरमैनगण हरिशंकर सिंह एडवोकेट एवं पांचूराम मौर्य एडवोकेट द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी को शपथ दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद छोटे लाल सिंह खरवार व आशुतोष सिन्हा एडवोकेट एमएलसी स्नातक क्षेत्र वाराणसी भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा जनपद के वरिष्ठ अधिवक्तागण, न्यायिक अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। मीडिया प्रभारी राजेश यादव एड ने कहा कि अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा और न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हम सब प्रतिबद्ध हैं। डीबीए के उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए एसोसिएशन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प दोहराया। बैठक की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट व संचालन पूर्व उपाध्यक्ष कामता प्रसाद यादव एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर श्याम विहारी यादव एड, पवन कुमार सिंह एड, पूर्व अध्यक्ष विंध्यवासिनी सिंह एड, राजेश कुमार यादव एड, संतोष कुमार यादव एड, विमल प्रसाद सिंह एड, विनीता एड,द्वारिका नाथ नागर एड, आशुतोष देव पांडेय एड, अभिषेक मौर्य एड आदि लोग मौजूद रहे।

मुख्यअतिथि यूपी बार काउंसिल के पूर्व चेयरमैनगण हरिशंकर सिंह एडवोकेट व पांचू राम मौर्य एडवोकेट दिलाएंगे शपथ,विशिष्ट अतिथि सांसद छोटेलाल सिंह खरवार व एमएलसी स्नातक क्षेत्र वाराणसी आशुतोष सिन्हा एडवोकेट रहेंगे मौजूद,तहसील सभागार रॉबर्ट्सगंज में किया गया है आयोजन

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

मुंबई ने अपना सबसे बड़ा रनचेज किया,रोहित की छक्के से फिफ्टी, पंत का शून्य पर कैच छूटा, रघु ने 'राधे-राधे' लिखी पर्ची दिखाई, मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 के 47वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले मुंबई ने आईपीएल में अपना सबसे बड़ा रनचेज किया, जबकि लखनऊ ने पावरप्ले में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। पांच मैचों बाद वापसी कर रहे रोहित शर्मा की विस्फोटक पारी देखने को मिली। इस मैच में उन्होंने 7 छक्कों की मदद से 84 रन बनाए। उन्होंने एम सिद्धार्थ की बॉल पर सिक्स लगाकर फिफ्टी पूरी की। वहीं लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत को शून्य के स्कोर पर जीवनदान मिला। विकेटकीपर रायन रिकेल्टन से उनका कैच ड्रॉप हुआ। मैच के टॉप-4 रिकॉर्ड्स- 1. मुंबई ने आईपीएल में अपना सबसे बड़ा रन चेज कियालखनऊ के खिलाफ मुंबई ने 229 रन का टारगेट 18.4 ओवर में हासिल कर लिया। यह आईपीएल में मुंबई का सबसे बड़ा रन चेज है। इससे पहले इसी सीजन में टीम ने कोलकाता के खिलाफ 221 रन का टारगेट हासिल किया था। 2. लखनऊ ने बेस्ट पावरप्ले स्कोर बनाया- लखनऊ ने मुंबई के खिलाफ पावरप्ले में एक विकेट खोकर 90 रन बनाए। यह आईपीएल में उनका बेस्ट पावरप्ले स्कोर है। इससे पहले 2023 में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक विकेट के नुकसान पर 80 रन बनाए थे। 3. पूरन ने 5वीं बार 20 से कम बॉल पर फिफ्टी लगाई-निकोलस पूरन ने वानखेड़े स्टेडियम में 16 गेंद पर फिफ्टी पूरी की। यह आईपीएल में 5वीं बार है, जब उन्होंने 20 से कम बॉल पर फिफ्टी लगाई है। इस लिस्ट में सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा टॉप पर हैं, जिन्होंने 6 बार यह कारनामा किया है। 4. रोहित-रिकेल्टन की मुंबई के लिए तीसरी सेंचुरी पार्टनरशिप-लखनऊ के खिलाफ रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन पहले विकेट के लिए 143 रन जोड़े। यह आईपीएल में दोनों के बीच तीसरी शतकीय साझेदारी है, जो इस मामले में सबसे सफल जोड़ी है। यह मुंबई की किसी भी विकेट के लिए पांचवी सबसे बड़ी साझेदारी भी है। यहां से मैच के टॉप-9 मोमेंट्स-1. हार्दिक की जगह सूर्या टॉस के लिए आए-लखनऊ के खिलाफ मुंबई की टीम में बड़ा बदलाव दिखा। कप्तान हार्दिक पंड्या ये मैच नहीं खेले, उनकी जगह सूर्यकुमार यादव टॉस के लिए आए। टीम में दो बदलाव भी हुए। कॉर्बिन बॉश और रोहित शर्मा की टीम में वापसी हुई। ट्रेंट बोल्ट को प्लेइंग-11 से बाहर रखा गया। 2. ऋषभ पंत शून्य पर आउट होने से बचे-लखनऊ की पारी 9वें ओवर में ऋषभ पंत आउट होने से बाल-बाल बच गए। कॉर्बिन बॉश ने ओवर की तीसरी गेंद बैक-ऑफ-लेंथ डाली। पंत ने शॉट खेला, गेंद उनके बल्ले का निचला किनारा लेकर विकेटकीपर रिकेल्टन के पास गई। क्लीन कैच को लेकर संदेह था, इसलिए अंपायर रिव्यू लिया गया। रिप्ले में साफ दिखा की बल्ले का किनारा लगा, लेकिन रिकेल्टन के दस्तानों में जाने से पहले गेंद जमीन पर गिर गई थी। 3. अक्षत रघुवंशी ने छक्के से आईपीएल का अपना पहला विकेट लिया। 13वें ओवर की पहली गेंद पर उन्होंने फ्लाइट कराया। बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी क्रीज से बाहर निकलकर डिफेंशिव शॉट खेला, लेकिन गेंद बैट और पैड से लगकर सीधे रघु के हाथों में चली गई। इसके बाद उन्होंने अपनी जेब से एक कागज का टुकड़ा निकालकर सबको दिखाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पास आकर उस नोट को पढ़ने की कोशिश करते दिखे। उस नोट पर लिखा था- 'राधे-राधे। गुरूदेव की दिव्य कृपा से आज 15 साल का दर्द भरा सफर खत्म हुआ। इस अवसर के लिए मुंबई इंडियंस (ब्लू एंड गोल्ड) का शुक्रिया। हमेशा आभारी रहूंगा। जय श्री राम।' 5. बुमराह ने विकेट लिया, लेकिन गेंद नो-बॉल निकली-लखनऊ की पारी का 14वां ओवर काफी इवेंटफुल रहा। जसप्रीत बुमराह ने ओवर की तीसरी गेंद पर गुड लेंथ डाली। हिम्मत सिंह ने शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का किनारा लेकर सीधे विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। मुंबई विकेट का जश्न मना रही थी कि नो बॉल का सायरन बजा। रिप्ले में दिखा कि बुमराह का पैर क्रीज से बाहर निकल गया था। 6. रोहित ने लगातार 4 बार गेंद को बाउंड्री के बाहर भेजा-मुंबई के पावरप्ले का आखिरी ओवर लखनऊ के लिए काफी महंगा साबित हुआ। इस ओवर में रोहित शर्मा ने गेंदबाज आवेश खान की गेंद पर लगातार 2 चौके और फिर 2 छक्के जड़े। ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर रोहित ने चौका लगाया। इसके बाद चौथी गेंद को डीप मिडविकेट पर छक्के के लिए भेज दिया। अगली गेंद आवेश ने फुल टॉस डाली, जिसे रोहित ने बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से सिक्स लगा दिया। इस ओवर में 21 रन बने। 7. रोहित ने छक्का लगाकर फिफ्टी पूरी की- रोहित ने लखनऊ के खिलाफ 9वें ओवर में धमाकेदार अंदाज में फिफ्टी पूरी की। मणिमरण सिद्धार्थ के ओवर की पहली ही गेंद पर पुल शॉट खेलते हुए लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का पहली ही गेंद र छक्का लगा दिया। पारी के 11वें ओवर में विल जैक्स की पांचवी गेंद पर उन्होंने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से 89 मीटर का सिक्स लगाया। 4. रघु शर्मा ने जेब से निकाला नोट; लिखा था- 'राधे-राधे, दर्द भरे 15 साल आज खत्म हुए'- मुंबई के गेंदबाज रघु शर्मा के लिए लखनऊ के खिलाफ जड़ दिया। इसके साथ ही रोहित ने 27 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी की। इसके बाद रोहित ने बल्ला उठाकर दर्शकों का अभिवादन किया।8. नमन धीर का शून्य पर कैच छूटा- पारी के 16वें ओवर में जोश इंग्लिश ने नमन धीर का कैच छोड़ दिया। गेंदबाज मणिमरण सिद्धार्थ की पांचवी गेंद पर नमन ने ऑफ-साइड की ओर तेज शॉट खेला। कवर पर खड़े जोश इंग्लिश ने अपनी बाईं ओर डाइव लगाकर गेंद लपकने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छिटक गई। नमन ने इस समय खाता भी नहीं खोला था। 9. विल जैक्स ने छक्का लगाकर मुंबई को जिताया-19वें ओवर की चौथी गेंद पर विल जैक्स ने छक्का जड़कर मुंबई को जीत दिलाई। आवेश खान की फुल लेंथ गेंद को उन्होंने लॉन्ग-ऑफ बाउंड्री के ऊपर से छक्का लगा दिया। विनिंग शॉट के बाद उन्होंने जीत का जश्न मनाया। इसके साथ ही मुंबई ने इस सीजन की तीसरी जीत दर्ज की।

डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें घरेलू उपचार, बचाव के 8 तरीके, कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी

नयी दिल्ली। गर्मियों में तेज धूप, उमस और पसीने से स्किन पर खुजली, लाल दाने या रैशेज हो जाते हैं। लोग इसे हल्की समस्या मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। कई बार ये हीट रैश यानी घमौरियां हो सकती हैं। स्किन पर स्वेट डक्ट्स होते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। इनके ब्लॉक होने पर पसीना स्किन के अंदर ही फंस जाता है। इससे हीट रैश होता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हीट रैश की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- हीट रैश क्यों होता है? इसके क्या लक्षण हैं? हीट रैश के घरेलू उपाय क्या हैं? साथ ही विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. संदीप अरोड़ा, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- हीट रैश क्या होता है? जवाब- हीट रैश एक कॉमन स्किन प्रॉब्लम है। यह ज्यादा गर्मी और पसीने की वजह से होता है। इसे 'प्रिकली हीट', 'स्वेट रैश' या 'मिलियारिया' भी कहा जाता है। सवाल- हीट रैश क्यों होता है? जवाब- पसीने को स्किन की सरफेस तक पहुंचाने वाली डक्ट ब्लॉक होने पर हीट रैश होता है। इससे पसीना स्किन के अंदर जमा होने लगता है। यह दाने या रैशेज के रूप में बाहर निकलता है। हीट रैश में स्किन पर छोटे-छोटे दाने निकलते हैं। ये गर्मी में असहजता बढ़ाते हैं। सवाल- हीट रैश और एलर्जी या फंगल इन्फेक्शन में क्या फर्क होता है? जवाब- हीट रैश, एलर्जी और फंगल इन्फेक्शन तीनों में स्किन पर दाने के साथ खुजली हो सकती है, लेकिन इनके कारण अलग होते हैं। तीनों को एक-एक करके समझते हैं- हीट रैश, होती है। फंगल इन्फेक्शन- ये फंगस के कारण होता है। आमतौर पर आर्म पिट (बगल), जांघों पर या पैरों की उंगलियों के बीच होता है। इसमें गोल दाने, लगातार खुजली होती है। स्किन छिल भी सकती है। सवाल- हीट रैश शरीर के किन हिस्सों में ज्यादा होता है? जवाब- यह उन हिस्सों में होता है, जहां हवा कम लगती है या स्किन आपस में रगड़ती है। खासकर वे हिस्से जो कपड़ों से ढके रहते हैं या जहां पसीना ज्यादा जमा होता है। ये बच्चों और वयस्कों में अलग अलग जगहों पर होता है- बच्चों में- आर्म पिट्स (बगल) कोहनी के अंदर की सिलवटें गर्दन-ग्रोइन या डायपर वाला हिस्सा, गर्दन का निचला हिस्सा और पीठ,वयस्कों में- हाथ, पीठ, चेस्ट (महिलाओं में ब्रेस्ट के नीचे), जांघों के बीच इन हिस्सों में पसीना ज्यादा जमा होने से स्वेट डक्ट्स ब्लॉक हो जाते हैं। इससे हीट रैश होता है। सवाल- क्या टाइट कपड़े पहनने से हीट रैश बढ़ सकता है?जवाब- हां, टाइट कपड़ों से एयर फ्लो रुक जाता है। इससे स्किन तक हवा नहीं पहुंच पाती। इसके चलते पसीना ज्यादा होता है, देर से सूखता है। यही वजह है कि टाइट कपड़े पहनने से हीट रैश बढ़ जाता है। सवाल- क्या पर्सनल हाइजीन का ख्याल न रखने से भी हीट रैश बढ़ सकता है? जवाब- हां, अगर रोज नहीं नहाते हैं, पसीने से भीगे कपड़े लंबे समय तक पहने हुए हैं, साफ सफाई नहीं रखते हैं तो हीट रैश बढ़ सकता है। सवाल- क्या ओबिसिटी या अन्य हेल्थ कंडीशंस भी हीट रैश के रिस्क को बढ़ा सकती हैं? जवाब- हां, कुछ हेल्थ कंडीशंस हीट रैश होने के खतरे को बढ़ा सकती हैं। पॉइंटर्स से समझिए-डायबिटीज

डायबिटीज में ब्लड शुगर ज्यादा रहने से स्किन की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। इससे स्किन में इन्फेक्शन और सूजन का रिस्क बढ़ जाता है, जिससे रैश जल्दी हो सकते हैं। डायबिटिक लोगों को ज्यादा पसीना आता है, जिससे हीट रैश का रिस्क बढ़ सकता है। ओबिसिटी-वजन ज्यादा होने पर स्किन की सिलवटें (स्किन फोल्ड्स) बढ़ जाती हैं। इसलिए जांघों, पेट या आर्म पिट्स (बगल) में हीट रैश के लक्षण ज्यादा दिखते हैं। मोटापे के कारण बॉडी को हीट कंट्रोल करने में समस्या होती है। इससे पसीना ज्यादा बनता है और हीट रैश का खतरा बढ़ जाता है। स्किन कंडीशन, कुछ स्किन डिजीज में स्किन सेंसिटिव हो जाती या सूजन हो जाती है। इससे स्वेट डक्ट्स ब्लॉक हो जाती हैं। ऐसी स्किन पर गर्मी और पसीना होने से रैश जल्दी बन सकते हैं। सवाल- हीट रैश का घरेलू इलाज क्या है? जवाब- कुछ आसान घरेलू उपाय जलन, खुजली कम करने में मदद कर सकते हैं। जैसे- ठंडी पट्टीः प्रभावित हिस्से पर 5-10 मिनट तक ठंडे पानी में भीगे कपड़े की पट्?टी रखें या बर्फ पर कपड़ा लपेटकर लगाएं। यह सूजन और खुजली कम करने में मदद कर सकता है। एलोवेराः एलोवेरा जेल लगाने से स्किन को ठंडक मिलती है। इससे जलन व सूजन कम हो सकती है। खीराः फ्रिज में रखी खीरे की स्लाइस प्रभावित जगह पर लगाएं। इससे स्किन को ठंडक मिलती है और जलन कम हो सकती है। चंदन पाउडरः चंदन पाउडर में पानी मिलाकर पेस्ट बनाकर लगाएं। इससे जलन और सूजन कम करने में मदद मिल सकती है। नीमः नीम के पत्तों का पेस्ट या नीम का तेल लगाएं। इससे स्किन को आराम मिलता है, क्योंकि इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं।सवाल- कितने दिनों तक हीट रैश ठीक न हो तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए? जवाब- आमतौर पर हीट रैश 2-3 दिनों में ठीक हो जाते हैं। इन कंडीशंस में डॉक्टर से कंसल्ट करें- अगर दाने 3-4 दिनों से ज्यादा समय तक बने हुए हैं। बुखार, दर्द, पस और सूजन जैसे लक्षण दिख रहे हैं। गर्मी में होने वाला हीट रैश स्किन के ओवरहीट और केयर की कमी का संकेत है। थोड़ी सावधानी बरतकर इससे बचा जा सकता है।

हैकिंग को रूटीन बना देना एआई की 'बुद्धिमत्ता' नहीं कहला सकती

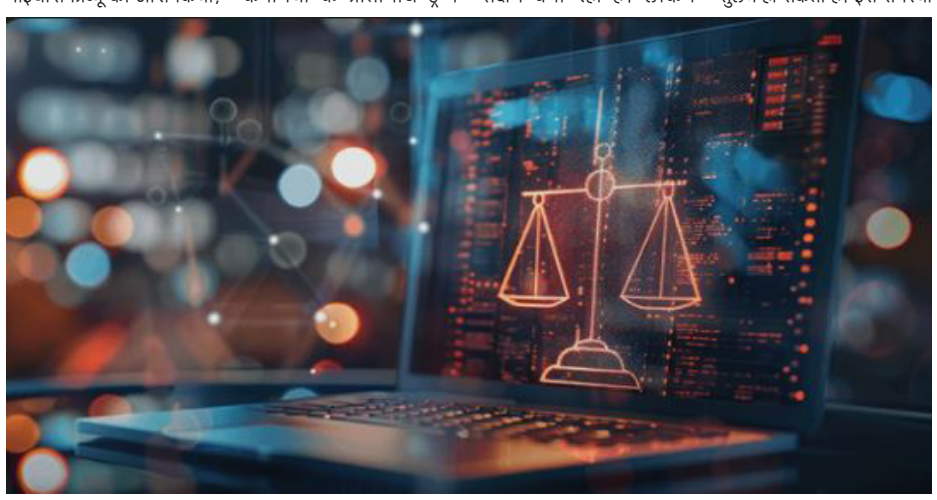

एआई कम्पनी एंथ्रोपिक ने हाल ही में अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल की नवीनतम सेवा क्लॉड माइथोस प्रिव्यू को जारी किया, लेकिन यह केवल 40 बड़ी टेक-कंपनियों के सीमित समूह के लिए होगा। यह नया मॉडल परफॉर्मेंस में बुनियादी बदलावों का दावा करता है, जिसके साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरे प्रभाव हो सकते हैं। क्लॉड माइथोस के डेवलपमेंट के दौरान एंथ्रोपिक ने पाया कि यह न केवल किसी भी मॉडल की तुलना में अधिक जटिलता और आसानी से सॉफ्टवेयर कोड लिख सकता है, बल्कि अपनी इस क्षमता के चलते यह दुनिया के लगभग सभी प्रमुख सॉफ्टवेयर सिस्टमों में व्याप्त कमजोरियों को भी पहले की तुलना में अधिक आसानी से खोज सकता है। लेकिन अगर यह टूल गलत हाथों में चला गया, तो वे दुनिया के लगभग हर प्रमुख सॉफ्टवेयर सिस्टम- यहां तक कि इस समूह में शामिल कंपनियों द्वारा बनाए सिस्टमों को भी हैक कर सकते हैं। यह कोई पब्लिसिटी-स्टंट नहीं है। इस घोषणा से पहले, प्रमुख टेक-कंपनियों के प्रतिनिधि ट्रम्प प्रशासन के साथ निजी तौर पर इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि इसका उन देशों की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा, जो इन असुरक्षित सॉफ्टवेयर प्रणालियों का उपयोग करते हैं। एंथ्रोपिक ने अपने एक लिखित बयान में कहा कि पिछले केवल एक महीने में ही माइथोस प्रिव्यू ने हजारों गंभीर कमजोरियों की पहचान की है। ये हर प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में शामिल हैं। एआई जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसके मद्देनजर ऐसी क्षमताओं का व्यापक होना अब दूर नहीं है। और संभव है कि वे उन पक्षों से भी आगे फैल जाएं, जो इन्हें सुरक्षित रूप से उपयोग करने की बात करते हैं।सुपर-इंटेलिजेंट एआई अपेक्षा से कहीं तेजी से सामने आ रहा है। यह तो पहले से स्पष्ट था कि एआई किसी भी व्यक्ति- चाहे उसकी कम्प्यूटर साक्षरता का स्तर कुछ भी हो- को सॉफ्टवेयर कोड लिखने में असाधारण रूप से सक्षम बना रहा है। लेकिन बताया जाता है कि स्वयं एंथ्रोपिक ने भी यह अनुमान नहीं लगाया था कि यह इतनी जल्दी, इतनी दक्षता के साथ, मौजूदा कोड में खामियों को खोजने और उनका दोहन करने के तरीकों को पहचानने में सक्षम हो जाएगा। क्लॉड माइथोस ने हर प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में गंभीर कमजोरियों की पहचान की है- ये ऐसे सिस्टम हैं, जिन पर दुनिया भर में बिजली ग्रिड, जल आपूर्ति तंत्र, एयरलाइन आरक्षण प्रणालियां, रीटेलिंग नेटवर्क, सैन्य प्रणालियां और अस्पताल निर्भर हैं। यदि यह टूल व्यापक रूप से उपलब्ध हो जाता है, तो इसका अर्थ होगा कि किसी भी प्रमुख बुनियादी ढांचे की प्रणाली को हैक करने की क्षमता- जो पहले केवल निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और खुफिया एजेंसियों तक सीमित थी, वह अब छोटे समूहों को भी उपलब्ध हो सकती है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वे केवल जिम्मेदार हाथों तक ही सीमित रहें। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से,थॉमस एल. फ्रीडमैन)

न्यायाधीश को सियासी दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति ठीक नहीं

इस वर्ष की शुरुआत में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति मामले में ट्रायल कोर्ट ने इस आधार पर आरोपमुक्त कर दिया कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है। इस फैसले को सीबीआई ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी। सुनवाई के दौरान मामले ने तब अप्रत्याशित मोड़ लिया, जब केजरीवाल ने एक आवेदन दायर कर यह मांग की कि सुनवाई कर रही जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा इस मामले से स्वयं को अलग कर लें, क्योंकि उन्हें पक्षपात की आशंका है। यद्यपि इस आवेदन को खारिज कर दिया गया, लेकिन यह घटना एक परिचित प्रश्न को फिर सामने लाती है- आखिर किसी जज को कब किसी मामले की सुनवाई से अलग होना चाहिए? भारत में रीक्यूजल (स्वयं को अलग करने) का कानून अपेक्षाकृत स्पष्ट है, भले ही उसके प्रयोग पर अकसर बहस होती रहती हो। इसका मूल परीक्षण यह है कि क्या एक सामान्य, समझदार व्यक्ति के मन में पक्षपात की आशंका उत्पन्न होती है। यह कोई हल्का मानदंड नहीं है। अदालतों ने लगातार यह कहा है कि ऐसी आशंका ठोस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, न कि केवल अस्पष्ट संदेह या राजनीतिक असहमति पर। समय के साथ कुछ सीमित और स्पष्ट आधार विकसित हुए हैं- जैसे आर्थिक हित, उसी मामले में पूर्व भागीदारी, या किसी पक्ष के साथ निकट व्यक्तिगत संबंध। इनसे परे, विशेषकर वैचारिक या संस्थागत पक्षपात के आरोपों में, मापदंड काफी ऊंचा होता है। अकसर देखा गया है कि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लेते हैं। गुजरात और इलाहाबाद उच्च न्यायालयों में राहुल गांधी से जुड़े कई मामलों में न्यायाधीशों ने बिना कारण बताए स्वयं को अलग किया है। कई बार इसे न्यायाधीश का अपने दायित्व से विमुख होना भी माना गया। लेकिन केजरीवाल के मामले में स्थिति उलट थी। यहां न्यायाधीश सुनवाई के लिए तैयार थे, परंतु पक्षकार को आपत्ति थी। रीक्यूजल आवेदन में कई आधार प्रस्तुत किए गए- जैसे न्यायाधीश द्वारा पहले दिए गए आदेश, कुछ तकनीकी आपत्तियां और न्यायाधीश के परिजनों का सरकारी पेनलों में शामिल होना। अदालत ने इन तर्कों को इस आधार पर खारिज कर दिया कि वे पक्षपात की आशंका स्थापित नहीं करते। अदालत का यह निर्णय उचित था- किसी भी न्यायिक निर्णय में एक पक्ष संतुष्ट होगा और दूसरा असंतुष्ट। हारने वाला पक्ष यह तय नहीं कर सकता कि वह उसी न्यायाधीश के सामने पेश नहीं होगा। यही बात न्यायाधीश के परिजनों के पेशेवर जीवन पर भी लागू होती है। सबसे विवादास्पद तर्क वैचारिक निकटता से जुड़ा था। यह कहा गया कि जस्टिस शर्मा ने अधिवक्ता परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया है, जो एक ऐसा संगठन है, जिसकी वैचारिक दिशा याचिकाकर्ता और उनकी राजनीतिक पार्टी के विपरीत है। भारत में संवैधानिक परंपरा ने कभी भी केवल वैचारिक या राजनीतिक संबद्धता को रीक्यूजल का आधार नहीं माना है। इस संदर्भ में जस्टिस वीआर कृष्ण अय्यर का उदाहरण महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्ति से पहले वे कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े रहे थे और केरल सरकार में कानून मंत्री भी थे। उस समय यह आशंका जताई गई थी कि उनकी विचारधारा उनके निर्णयों को प्रभावित कर सकती है। लेकिन उनके कार्यकाल ने सिद्ध किया कि पूर्व वैचारिक जुड़ाव अपने आप में न्यायिक पक्षपात में परिवर्तित नहीं होता। उन्होंने मजदूरों, कैदियों, महिलाओं और बच्चों जैसे वंचित वर्गों के अधिकारों पर कई प्रगतिशील फैसले दिए। इससे यह सिद्धांत और मजबूत होता है कि जज बनने के बाद न्यायाधीश कानून से बंधा होता है। यही सिद्धांत उन आरोपों पर भी लागू होता है जो सार्वजनिक मंचों में भागीदारी के आधार पर लगाए जाते हैं। केवल इस आधार पर कि किसी न्यायाधीश ने किसी विशेष संगठन के कार्यक्रम में भाग लिया है- जो कि न्यायिक समुदाय में असामान्य नहीं है- पक्षपात की उचित आशंका नहीं मानी जा सकती। इसके लिए यह दिखाना आवश्यक है कि उस भागीदारी और विवादित मामले के बीच कोई स्पष्ट और प्रत्यक्ष संबंध है। यदि सामान्य वैचारिक जुड़ाव ही रीक्यूजल का आधार बन जाए, तो संवैधानिक निर्णय असम्भव हो जाएंगे। यह घटना न्यायपालिका को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की बढ़ती प्रवृत्ति को भी दर्शाती है। राजनीतिक मुद्दों पर संघर्ष सड़कों और संसद में होना चाहिए, अदालतों में नहीं। पक्षकारों को समझना चाहिए कि बार-बार रीक्यूजल की मांग न्याय प्रणाली को प्रभावित करती है। वहीं न्यायाधीशों को भी अब अपने शब्दों और आचरण के प्रति जिम्मेदार रहना होगा। (ये लेखकों के अपने विचार हैं,अर्घ्य सेनगुप्ता और स्वप्निल त्रिपाठी)

किसी के लिए उम्मीद ही सबसे अच्छा गिफ्ट हो सकता है

सुगि अमाया (29) की कहानी किसी बड़े अभियान से नहीं, बल्कि एक सन्नाटे के साथ शुरू हुई। जुलाई 2022 में उनका संसार बिखर गया, जब उनके 24 साल के भाई एलेक्सिस को पापा जॉन्स पिज्जेरिया से लेट-नाइट शिफ्ट करके लौटते वक्त पुलिस ने पकड़ लिया। आरोप एल-साल्वाडोर का वही जाना-पहचाना था- गैंग से जुड़ाव। किसी ट्रायल और कानूनी रास्ते के बगैर ही एलेक्सिस को वो जेल सिस्टम निगल गया, जो पूरे देश के लिए पुलिसिया जाल बन चुका था।यह सेंट्रल अमेरिका के सबसे छोटे देश एल-साल्वाडोर की हकीकत है। 2022 की शुरुआत में हत्याओं में तेज बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रपति नायिब बुकेले ने आपातकाल लगा दिया। जो कदम अपराध के खिलाफ शुरू हुआ, धीरे-धीरे ऐतिहासिक सख्ती में बदल गया। आज इस देश में दुनिया की सर्वाधिक कारावास दर है, जहां कार्रवाई की शुरुआत से अब तक 91 हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। यह वयस्क आबादी का करीब 2फीसदी है। मानवाधिकार संगठनों ने चेताया है कि 'अरेस्ट कोटा' के चलते पुलिस गरीबों को निशाना बना रही है। एलेक्सिस जैसे लोगों को अकसर सिर्फ टैटू या अनजान सूचना के आधार पर पकड़ लिया जाता है। नतीजतन, इस देश में बहुत बड़ा विरोधाभास है। आंकड़ों में तो एल-साल्वाडोर दुनिया के सबसे हिंसक देशों में से एक से बदलकर पश्चिमी गोलार्ध के सबसे सुरक्षित देशों में शामिल हो गया। लोग नई आजादी की बात करते हैं- मसलन, रात में बेखौफ चल पाना या बिना वसूली के दुकान चला पाना। लेकिन इस सुरक्षा की भयानक कीमत पीछे छूट गए परिवारों को चुकानी पड़ी है। बुनियादी सुविधाओं की किल्लत वाली और भीड़ भरी जेलों में बंद रिश्तेदारों के लिए खाना और दवाएं जुटाना गरीबों के जीवन का संघर्ष बन गया है। एलेक्सिस की गिरफ्तारी के बाद सुगि का जीवन राजधानी सैन-साल्वाडोर के एक कन्वर्टेड मूवी थिएटर के बाहर के फर्श तक सिमट गया है। यह जगह जटिल जेल सिस्टम में आने-जाने वालों के लिए ठहराव स्थल है। जेल की दीवारों की छांव अब सुगि का दूसरा घर बन गई है। भाई की गैरमौजूदगी की इस रिक्तता में कड़वाहट उनके मन में आ सकती थी। लोहे के इन दरवाजों में उन्हें सिर्फ दुश्मन ही दिख सकते थे। लेकिन उन्होंने इनमें एक आईना देखना चुना। बच्चों को अपनी मां के पास छोड़कर सुगि रात भर इंतजार करती हैं। एल-साल्वाडोर में कैदियों की रिहाई बहुत कम और अकसर बिना सूचना के तड़के ही होती है। तब कोई रिश्तेदार कागजों पर साइन करने के लिए न हो तो कैदी वापस भीतर भेज दिया जाता है। इसे रोकने के लिए सुगि अजनबियों के लिए वहां रहती हैं। वह बिना किसी सोच-विचार के एक साफ शर्ट और जूते लेकर रिहा हुए लोगों के पास जाती हैं और रिलीज फॉर्म पर साइन करती हैं। धीरे से कहती हैं, 'अब आप ठीक हैं।' सुगि की आवाज उन्हें फिर से जिंदगी से जोड़ती है। जरूरतमंदों को वह घर जाने का किराया देती हैं और जिनके पास कोई जगह नहीं, सुगि का छोटा-सा घर ही ठिकाना होता है- जहां गर्म खाने और बिस्तर से उनका 'क्रिमिनल' का टैग धुल जाता है। जब लोग पूछते हैं कि वे अनजान लोगों के लिए क्यों गंदगी में रातें बिताती हैं, तो सुगि को एलेक्सिस याद आता है। उनकी उम्मीद किसी चक्र जैसी है। उन्हें भरोसा है कि अजनबियों के साथ सम्मान से पेश आकर वे दुनिया में इतनी रोशनी फैला रही हैं, जो उस अंधेरी कोठरी तक पहुंचेगी, जहां उनका भाई है। वे ऐसी दुनिया बना रही हैं, जिसमें वे चाहती हैं कि उनका भाई लौटे। आज सुगि का मिशन बढ़ चुका है। पूरे अमेरिका महाद्वीप से परिवार उन्हें मदद भेजते हैं। जिनकी उन्होंने मदद की थी, वे इसमें योगदान दे रहे हैं।

अब वे कानून की छात्रा हैं, लेकिन उनका 'फुल-टाइम जॉब' दूसरों के लिए जेल सिस्टम से जूझना ही है। फंडा यह है कि अजनबियों को बचाने के इस काम में सुगि ने खुद को निराशा से बचा लिया और साबित किया कि उम्मीद बांटी जाए तो यह सबसे ताकतवर तोहफा बन जाती है। (एन. रघुरामन)

युद्ध को लेकर ट्रम्प के पास अब समय कम ही बचा है

अमेरिका-ईरान युद्ध को चलते अब दो माह हो गए। वेनेजुएला के अनुभव से अति-उत्साहित होकर अमेरिका ने सोचा था कि ईरान पर अचानक हमला और उसके सर्वोच्च नेता समेत शीर्ष अधिकारियों की हत्या की रणनीति से युद्ध कुछ ही दिनों में खत्म हो जाएगा। लेकिन रणनीति सफल नहीं हुई। ईरान में सत्ता परिवर्तन हुआ, लेकिन अब वहां इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का शासन चल रहा है। ईरान में दो समानांतर सैन्य ढांचे हैं। 'आर्तेश' नियमित सेना के तौर पर परंपरागत प्रतिरक्षा का जिम्मा संभालती है, जबकि आईआरजीसी का काम क्रांति की रक्षा करना है। एक सेना राष्ट्रपति के जरिए सर्वोच्च नेता को रिपोर्ट करती है, जबकि दूसरी सीधे उन्हीं को। अमेरिका-इजराइल की शुरुआती बमबारी के बाद 'बंधक संकट' सामने आया। ईरान ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों और हॉर्मुज स्ट्रेट को एक तरह से बंधक बना लिया। इस स्थिति से निपटने के दो विकल्प थे। पहला, मिलिट्री एस्केलेशन यानी ईरानी जमीन पर सैनिक भेजना और ईरानी ढांचों पर हमले। और दूसरा, कूटनीतिक समझौता। ट्रम्प ने दूसरा रास्ता चुनते हुए ईरान को बड़ी आर्थिक रियायतों की पेशकश की है। बदले में उसके संवर्धित यूरेनियम भंडार सौंपने और हॉर्मुज को खोलने की मांग की है। ट्रम्प के दावों के विपरीत ईरान ने प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया, क्योंकि उसे लगता है कि वे भरोसे लायक नहीं और उनकी मांग ईरान के आत्मसमर्पण जैसी है। अमेरिका जो पेशकश कर रहा है, वह 2015 की संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) और उन प्रस्तावों से भी बदतर है, जो युद्ध से पहले ओमान की मध्यस्थता वाली बातचीत में ?दिए गए थे। ईरान को यह भी लगता है कि अब इसे स्वीकार करने की बाध्यता नहीं, क्योंकि सत्ता परिवर्तन तो वह झेल ही चुका है। साथ ही उसने यह भी जान लिया है कि हॉर्मुज स्ट्रेट बंद करना आर्थिक युद्ध में बेहद प्रभावी हथियार है। फिलहाल आगे की राह का अनुमान लगाया जा सकता है। अमेरिका संभवतः सैनिक नहीं भेज कर बातचीत ही जारी रखेगा। ट्रम्प शैली के अनुसार इसमें कुछ धमकियां होंगी, कुछ बमबारी संभव है। लेकिन अमेरिका के लिए समय अब हाथ से निकल रहा है। हमले शुरू करने से पहले अमेरिका को यह समझना चाहिए था कि सैन्य अभियान से क्या हासिल हो सकता है। सैन्य क्षमता के लिहाज से ईरान अमेरिका का मुकाबला नहीं कर सकता, लेकिन उसके पास बैलिस्टिक मिसाइलों और प्रॉक्सी नेटवर्क जैसी अहम क्षमताएं हैं। अमेरिका को यह भी पता होना चाहिए ?था कि इस्लामिक शासन की आंतरिक एकजुटता और संगठित विपक्ष के अभाव के चलते वहां सत्ता परिवर्तन आसान नहीं। साथ ही, इसके लिए जमीनी सैन्य अभियान जरूरी है, जो अमेरिका चाहता नहीं था। अमेरिका-इजराइल के सैन्य हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी नुकसान जरूर पहुंचाया है, लेकिन इससे तरह, ईरान के मिसाइल और ड्रोन के जखीरे को कम किया जा सकता है, लेकिन खत्म करना मुश्किल है। खासकर, इस हथियार कार्यक्रम को सपोर्ट करने वाले तकनीकी ज्ञान और औद्योगिक ढांचे को। सच तो यह है कि अमेरिका-इजराइल ने खामेनेई एवं अन्य नेताओं की हत्या करके बड़ी गलती कर दी। अब ट्रम्प खुद ही कह रहे हैं कि ईरान में नेतृत्व बिखरा हुआ है और बातचीत के लिए कोई है ही नहीं। संघर्ष विराम बढ़ाने और समुद्री नाकेबंदी कड़ी करने से अमेरिका को समय मिल सकता है, लेकिन इससे ईरान झुकेगा नहीं। नाकेबंदी का असर दिखने में महीनों लग सकते हैं। ट्रम्प में इतना धैर्य नहीं। नवंबर में चुनाव भी हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं, मनोज जोशी)

थलापति तमिलनाडु के किंग, लेकिन किंगमेकर कौन?107 सीटें, 35फीसदी वोट शेयर,'मास्टर' ने कैसे बदली 50 साल पुरानी कहाना

चेन्नई।विजय की ये जीत उनके स्टारडम की ही जीत है। विचारधारा, पार्टी, चुनावी गुणा-गणित, लोकलुभावन वादे सब पीछे

रह गए। विजय का थलापति, यानी सेनापति का कल्ट फिगर इन सब को पछाड़कर आगे निकल गया। पूरे तमिलनाडु में लोग विजय के अलावा न उनकी पार्टी के नेताओं को जानते हैं और न ही दूसरे नेताओं की पार्टी में कोई अहमियत है। विजय की पार्टी से चुनाव लड़े ज्यादातर नेता डीएमके और एआईए डीएमके के बागी या पूर्व नेता हैं। 2. एमजीआर के रास्ते चले, पॉलिटिक्स के लिए फिल्में छोड़ीं- एमजीआर के नाम से मशहूर एमजी रामचंद्रन भारत के पहले फिल्म स्टार थे, जो मुख्यमंत्री बने। 1977 से 1987 तक तमिलनाडु के सीएम रहे। उन्होंने ही एआईए डीएमके बनाई थी। विजय तमिल फिल्मों में मौजूदा दौर के सबसे बड़े स्टार हैं। करियर के पीक पर रहते हुए राजनीति में एंट्री की। उनसे पहले सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन राजनीति में तब आए थे, जब उनकी फिल्में चलना बंद हो गई थीं। 2024 में आई गोट फिल्म में विजय डबल रोल में थे। इसने बॉक्स ऑफिस पर 450 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया और उनकी पॉलिटिकल एंट्री से पहले माहौल बना दिया। 2023 में आई लियो ने दुनियाभर में 600 करोड़ रुपए कमाए। 2023 में ही आई फिल्म वारिसु ने विजय को तमिलनाडु का बेटा और अन्ना यानी बड़ा भाई वाली इमेज दी। फिल्में सुपरहिट हो रही थीं, लेकिन अचानक विजय ने पॉलिटिक्स में एंट्री का ऐलान कर दिया। इसके बाद जन नायगम उनकी आखिरी फिल्म होती, लेकिन ये विवादों की वजह से रिलीज ही नहीं हो पाई। 3. फैन क्लब पॉलिटिक्स, लाखों फैन ही कार्यकर्ता बन गए-थलापति विजय ने भले दो साल पहले पार्टी बनाई हो, लेकिन वे अपने फैन क्लब के जरिए 20 साल से सोशल वर्क कर रहे थे। तमिलनाडु के अलग-अलग इलाकों में संगठन बनाना और फिर उनके जरिए सोशल वर्क करना। विजय 20 साल पहले से 2026 की तैयारी कर रहे थे। तमिलनाडु में फैन क्लब कल्चर बहुत बड़ा है। हर सुपरस्टार के इलाकों, शहरों के नाम से फैन क्लब होते हैं। ये क्लब पसंदीदा स्टार के नाम पर सोशल वर्क करते हैं, लेकिन इसके पीछे खुद स्टार ही होता है। विजय के तमिलनाडु में सैकड़ों फैन क्लब हैं। यही फैन क्लब पार्टी स्ट्रक्चर में बदल गए। फैन क्लब का ढांचा काफी हद तक किसी पॉलिटिकल पार्टी की तरह होता है। स्टेट लेवल पर लीडरशिप होती है। इसके बाद इलाकों के हिसाब से कोऑर्डिनेटर्स मेडिकल कैंप लगाने जैसे काम करते रहे। गरीबों को खाना-कपड़े देकर मदद करते रहे। सरकारी दफ्तरों, अस्पताल, पुलिस, कोर्ट के मामलों में मदद करते रहे। इससे लोगों का विजय पर भरोसा बढ़ता गया। टीवीके के चीफ स्पोक्सपर्सन फेलिक्स गेरार्ल्ड बताते हैं, 'विजय ने पार्टी नहीं बनाई थी, तब से विजय का फैन क्लब थलापति विजय मक्कल इयक्कम नाम से चलता था। बाद में इसी को पार्टी में बदल दिया गया। 2021 में फैन क्लब से जुड़े 130 लोगों ने लोकल बॉडी चुनाव लड़ा था। इनमें से 115 जीत गए। विजय ने पार्टी लॉन्च करने के पहले ही जमीन का अंदाजा लगा लिया था। कहने को वे 2024 में राजनीति में आए, लेकिन ये उनके फैन क्लब की मेहनत का नतीजा है।' चुनाव के करीब 2-3 साल पहले से विजय मौजूदा मुख्यमंत्री स्टालिन के खिलाफ प्रचार कर रहे थे। हालांकि बीजेपी और एआईए डीएमके के लिए उनका रवैया थोड़ा नरम दिखा। हमने फेलिक्स से पूछा कि विजय बीजेपी को लेकर नरम रवैया क्यों रखते हैं? फेलिक्स जवाब देते हैं, 'हम भ्रष्टाचार के खिलाफ है। डीएमके सही मायने में सेक्युलर पार्टी भी नहीं है। हम बीजेपी की भी आलोचना करते हैं। विजय ने साफ किया है बीजेपी वैचारिक रूप से हमारी विरोधी है।' 4. क्रिश्चियन-मुस्लिम वोट डीएमके से विजय की तरफ शिफ्ट-विजय ने चुनाव लड़ने का ऐलान किया तो टीवीके के मंच से पहली बार कहा- मेरा नाम है जोसेफ विजय। उन्होंने साफ कर दिया कि वे क्रिश्चियन है। तमिलनाडु में मुस्लिम और क्रिश्चियन मिलाकर करीब 12फीसदी वोटर हैं। अब तक ये वोट बैंक डीएमके का था। विजय की एंट्री ने क्रिश्चियन वोट तो काटे ही, मुस्लिमों के भी बड़े तबके को अपने पाले में किया। मुस्लिम और क्रिश्चियन वोट ज्यादातर शहरी इलाकों में हैं। यहीं टीवीके मजबूत बनकर उभरी है। सीनियर जर्नलिस्ट आर. रंगराज कहते हैं-विजय ने डीएमके के 13 से 14फीसदी और एआईए डीएमके के करीब 10फीसदी वोट काटकर अपना वोट बैंक बड़ा बना लिया। फर्स्ट टाइम वोटर्स भी विजय की तरफ चले गए। टीवीके ने 30-33फीसदी का बड़ा वोट बैंक अपने पाले में किया है। 5. युवाओं और महिलाओं का एकतरफा समर्थन-युवाओं और महिलाओं में विजय के लिए अलग ही दीवानगी है। एक पूरी पीढ़ी उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई है। यही पीढ़ी फर्स्ट और सेकेंड टाइम वोटर है, जिन्होंने विजय को वोट दिया है। युवा और महिला आबादी करीब 2 करोड़ हैं। तमिलनाडु के करीब 20-25फीसदी वोटों पर विजय का सीधा असर है। विजय अपनी रैलियों और सभाओं में कास्ट पॉलिटिक्स करते नहीं दिखे। उनका फोकस महिला और युवा वोटबैंक पर रहा। उनकी पार्टी युवाओं और महिलाओं से सीधे जुड़ी। पहली बार वोट देने वाले 18-25 साल के युवाओं के लिए विजय स्टाइल आइकन के साथ-साथ उम्मीद भी थे। नीट का विरोध और शराब के खिलाफ सख्त रुख युवाओं-महिलाओं को विजय के करीब लाया। अल्पसंख्यक, यानी मुस्लिम-क्रिश्चियन और युवा-महिला वोट मिला लें, तो करीब 25फीसदी वोट विजय के पक्ष में एकतरफा एकजुट हुआ। बचे वोट डीएमके और एआईए डीएमके में बंट गए। यही विजय की जीत की सबसे बड़ी वजह है।

भाजपा ने पोलिंग एजेंट तक परीक्षा लेकर बनाए,जनता ने 'बंगाली अस्मिता' की जगह 'डबल इंजन' चुना

कोलकाता। बंगाल ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 'बंगाली अस्मिता' नैरेटिव के

मुकाबले पीएम नरेंद्र मोदी के 'डबल इंजन' के वादे को चुना। कमल की आंधी में तृणमूल बिल्कुल तिनकों की तरह ही उड़ गई। भाजपा लंबे समय से संगठन के स्तर पर तैयारी में जुटी थी। पोलिंग एजेंट चुनने के लिए भी मौखिक और लिखित परीक्षाएं तक ली गई थीं। पिछले छह महीने से पार्टी का ध्यान दो लक्ष्यों के साथ जमीनी नेटवर्क पर रहा। पहला, ग्रामीण इलाकों में डर के माहौल का मुकाबला और सुनिश्चित करना कि वोटर पोलिंग बूथ तक पहुंचे। ग्राउंड पर तमाम प्रयासों का नतीजा ये रहा कि भाजपा अपने साथ नए वोटर्स को जोड़ने में सफल रही। पिछले चुनाव में टीएमसी का वोट शेयर 48.5फीसदी था, जो इस बार 40.80फीसदी रह गया। वहीं, भाजपा 38.4फीसदी से बढ़कर 45.85फीसदी वोट पर पहुंच गई। इसके पीछे हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण बड़ा कारण है। हालांकि, सिर्फ ध्रुवीकरण ही इकलौती वजह नहीं है। रोजगार की कमी, पलायन, औद्योगिक ठहराव, पंचायत स्तर की दादागिरी और स्थानीय टीएमसी कैडर से नाराजगी निर्णायक रही। पश्चिमी औद्योगिक पट्टी आसनसोल, दुर्गापुर और बैरकपुर जैसे इलाकों में भाजपा ने बंद मिलों, नौकरी, लॉजिस्टिक्स हब और सिंडिकेट राज के खिलाफ अभियान चलाया। हर क्षेत्र में अलग रणनीति, कहीं ध्रुवीकरण तो कहीं रोजगार मुद्दा-बंगाल का राजनीतिक भूगोल बदल गया। 2021 में भाजपा उत्तर बंगाल, जंगलमहल और मतुआ बेल्ट में सिमटी थी। इस बार टीएमसी के गढ़ दक्षिण बंगाल में भी भगवा रंग में रंग गए। भाजपा ने हर क्षेत्र की अलग रणनीति बनाई। टीएमसी के गढ़ दक्षिण बंगाल में एंटी इंकंबेंसी, ध्रुवीकरण और गुंडागर्दी का मुद्दा उठाया। प्रेसीडेंसी में सीटें 14 से 27 तक पहुंच गईं। उत्तर बंगाल में चाय-बागान मजदूर और राजबंशी समुदाय साधा। जंगलमहल में आवास-पानी, राष्ट्रपति के अपमान जैसे मुद्दों से टीएमसी को पीछे धकेला। टीएमसी अल्पसंख्यक बेल्ट में टूटी-करीब 115 सीटें मुस्लिम बहुल हैं। इनमें से 69 पर टीएमसी जीती। करीब 39 सीटें भाजपा के खाते में गईं। मुस्लिम-सेक्युलर वोट टीएमसी के पक्ष में एकजुट माने जाते रहे हैं। पर, इस बार स्थिति अलग दिखी। मालदा की 12 में से 6 और उत्तर दिनाजपुर की 9 में से 4 भाजपा के खाते में गईं। इससे टीएमसी की 'अभेद्य अल्पसंख्यक बेल्ट' का भरोसा कमजोर हुआ। मुर्शिदाबाद जैसे कोर मुस्लिम जिलों में टीएमसी का दबदबा अभी बचा है। यहां की 22 सीटों में से टीएमसी 9 और भाजपा 8 सीटें जीती। भाजपा की असली बढ़त चार बड़े इलाकों से आई। जंगलमहल-आदिवासी बेल्ट में 40 में से करीब 36 सीटें निकालकर टीएमसी की 2021 वाली वापसी को पलट दिया। उत्तर 24 परगना में भाजपा 33 में से 18 सीटों पर पहुंची। हुगली में भाजपा ने 18 में से 16 सीटें जीत टीएमसी के दक्षिण बंगाल किले को भी झटका दिया है। नदिया में भाजपा 17 में से 14 सीटों पर विजयी रही। यहां मतुआ-नामशूद्र और सीमावर्ती हिंदू वोट निर्णायक रहे। माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी सीट पर भाजपा के आनंदमय बर्मन ने टीएमसी के शंकर मालाकार को 1,04,265 वोटों से हराया। राज्य में जीत का सबसे बड़ा अंतर है।लोकल नेताओं को तवज्जो, पुराने लोगों को पद देकर दी। वाजपेयी-आडवाणी के दौर से जुड़े रहे शमिक भट्टाचार्य प्रदेशाध्यक्ष बनाए। सुवेंदु ग्रामीण बंगाल में चेहरा रहे। वहीं, भट्टाचार्य ने कोलकाता और उपनगरीय बंगाल के 'भद्रलोक' को जोड़ा। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दिलीप घोष को सक्रिय किया। राहुल सिन्हा राज्यसभा सांसद बनाए। पीएम मोदी ने एक रैली में घोष से लेकर पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय तक बंगाल के वरिष्ठ नेताओं को मंच पर बुला अभिनंदन किया। ईडी 7 मामलों की जांच कर रही है, इन पर कार्रवाई तेज हो सकती हैभ्रष्टाचार संबंधी मामले नई सरकार की प्राथमिकता हो सकते हैं। शिक्षक भर्ती, नगरपालिका भर्ती, राशन घोटाला, कोयला तस्करी, मवेशी तस्करी और संदेशखाली सहित कम से कम सात मामलों की जांच ईडी कर रही है। इन पर कार्रवाई में तेजी आ सकती है। पुरानी फाइलों की पड़ताल भी शुरू हो सकती है। दूसरी तरफ, राज्य सरकार के समक्ष सातवां वेतन आयोग लागू करना, तीन हजार रुपए मासिक नकद सहायता और डीए देने जैसे वादों पर अमल की चुनौती भी रहेगी।

कालबैशाखी- आ रहा पूर्वी भारत के लिए 'काल', किस संकट में फंसने जा रहा बंगाल?

नयी दिल्ली। मई में मौसम का उलटफेर भारत समेत पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। वहीं,

यूरोप के ग्रीस और तुर्की जैसे कुछ इलाकों में भीषण ठंड पड़ रही है। इस दौरान तूफानी हवाएं भी चल रही हैं तो कहीं बर्फबारी भी हो रही है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पड़ोसी देश बांग्लादेश में कालबैशाखी अपना कहर बरपाने वाली है। यह संकट अक्सर अप्रैल-मई में ही आता है। इस मौसम में

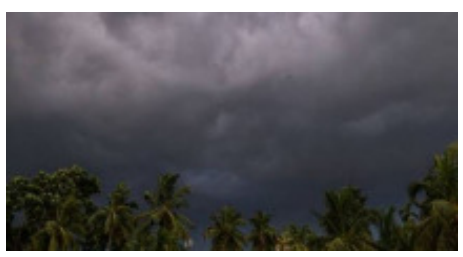

भले ही गर्मी से निजात मिलती है, मगर इस तूफानी हवाओं की चपेट में आने से बड़ी तबाही आती है, जिसकी दस्तक ओडिशा और कोलकाता तक हो भी चुकी है। ट्यूजडे ट्रीविया में समझते हैं मौसम के मिजाज की कहानी। कालबैशाखी के चलते आंधी-तूफान की आशंका- द गार्जियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, मौसम ने खूब करवट ली है। एशिया में खासकर मौसम ने अपना ध्यान उत्तर-पूर्वी भारत और बांग्लादेश पर केंद्रित कर लिया है। इन दोनों ही देशों में भीषण आंधी-तूफान की आशंका जताई जा रही है। भारत और बांग्लादेश के मौसम विभाग ने इस क्षेत्र में मानसून से पहले आने वाले आंधी-तूफान के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है। मौसम की इन देशों में कलाकारी को कालबैशाखी भी कहा जाता है। कालबैशाखी क्या है, जो मचा देती है तलहका-कालबैशाखी यानी नार्वेस्टर एक हिंसक प्री-मानसून गरज के साथ तूफानी हवाएं हैं, जो अप्रैल-मई में चलती हैं। इन्हें बंगाली बैसाखी महीने में आने की वजह से कालबैशाखी कहा जाता है। ये पूरे पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बांग्लादेश में चलती हैं। इनकी वजह से भारी बारिश, तेज हवाएं, ओले पड़ते हैं। ये गर्मियों से राहत दिलाती हैं, मगर इनसे बड़े पैमाने पर खेती को नुकसान पहुंचता है। हाल ही में ओडिशा में कालबैशाखी ने भारी नुकसान पहुंचाया है। इसके मई में अभी और चलने की आशंका है। कैसे पैदा होती है कालबैशाखी-कालबैशाखी तूफानी हवाएं छोटा नागपुर पठार से पैदा होती है। ये तब पैदा होती है, जब गर्म सूखी हवा और बंगाल की खाड़ी की नमी वाली हवाएं आपस में मिलती हैं। ये मानसून से पहले पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, झारखंड और असम में कहर बरपाती है। कालबैशाखी के आने से सैकड़ों पेड़ गिर जाते हैं, इमारतें ढह जाती हैं, बिजली के खंभे उखड़ जाते हैं।

ये आम और फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। ओले, तेज हवाएं और बिजली गिरने की आशंका-भारतीय मौसम विभाग ने भी इस सोमवार और मंगलवार को सिर्फ तीन घंटे में 50 मिमी से अधिक बारिश की आशंका जताई थी। इसमें दिन भर में लगभग 100 मिमी बारिश दर्ज की जा सकती है। ओले, तेज हवाएं और लगातार बिजली गिरने जैसे अन्य खतरे भी हैं। हालांकि, भीषण आंधी-तूफान के लिए इतनी बारिश असामान्य नहीं है, लेकिन हिमालय की तलहटी में ढलान वाले इलाकों में तेज बारिश से व्यवधान पैदा हो सकता है। साथ ही अचानक बाढ़ और भूस्खलन से जानमाल का नुकसान भी हो सकता है। उत्तर से लेकर दक्षिणी प्रायद्वीप तक मौसम में बदलाव-एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, हिमालय की तलहटी से लेकर दक्षिणी प्रायद्वीप तक, भारत का मौसम तेजी से बदल रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने एक व्यापक पूर्वानुमान जारी किया है जिसमें मई की शुरुआत तक नई दिल्ली, पूर्वी तट और पूर्वोत्तर में भारी बारिश और गरज के साथ तूफान आने की संभावना जताई गई है। दिल्लीः गरज के साथ 70 की स्पीड से तूफानी हवा-दिल्ली के लिए फिलहाल 'यलो' अलर्ट जारी किया गया है, जहां 6 मई तक रुक-रुक कर बारिश और बादल छाए रहने की आशंका है। हवा की गति 30-50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकते हैं। आईएमडी की नवीनतम सलाह के अनुसार, आने वाले दिनों में पूर्वोत्तर, पूर्वी तट, दक्षिणी राज्यों और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, गरज के साथ तूफान और तेज हवाओं का असर पड़ने की आशंका है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पूर्वोत्तर (असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश) पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वायुमंडलीय हालातों में महत्वपूर्ण बदलाव से उत्तर और मध्य भारत में चल रही भीषण गर्मी की लहर के टूटने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है और अब मैदानी इलाकों में पहुंच रहा है, जिससे तूफानी मौसम का दौर शुरू होगा, जिसमें गरज के साथ बारिश, तेज हवाएं और ठंडक मिलेगी। असम, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश का पूर्वानुमान है, जबकि अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की संभावना है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 50 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं भी चल सकती हैं।

बिहार-झारखंड और ओडिशा में बारिश-बिजली- पूर्वी मैदानी इलाकों से मौसम प्रणाली के गुजरने के कारण बिहार, झारखंड और ओडिशा के निवासियों को गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाओं के लिए तैयार रहना चाहिए। केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश होने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गरज के साथ बारिश होगी, लेकिन तमिलनाडु के साथ-साथ इन राज्यों के अधिकांश हिस्सों में गर्मी और उमस बनी रहेगी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बंगाल की खाड़ी में 65 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाओं और ऊंची लहरों की चेतावनी जारी की है, जिससे ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के तट प्रभावित हो सकते हैं। मछुआरों को तट पर ही रहने की सलाह दी गई है।

लेंसकार्ट-भारत का पहला स्मार्ट चश्मा लॉन्च करेगी ये कंपनी, बिंदी तिलक के कारण घिरी थी विवादों में

नयी दिल्ली। चश्मा आज तक नजर सुधारने का जरिया रहा है, लेकिन अब वह

आपकी जेब में रखा एक फोन भी हो सकता है। दरअसल बीते दिनों बिंदी-तिलक को लेकर विवादों में रही लेंसकार्ट ने अपने स्मार्ट ग्लासेस 'बी बाई लेंसकार्ट' की घोषणा कर दी है, जो कि भारत में अर्ली एक्सेस के लिए उपलब्ध हैं। अगर आप इसे ट्राई करना चाहते हैं, तो इनकी वेबसाइट पर जाकर वेटिंग लिस्ट को जॉइन कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार गूगल जेमिनी एआई असिस्टेंट से लैस इस स्मार्ट चश्मे को 22,000 रुपये की अर्ली एक्सेस कीमत पर उपलब्ध कराया जा रहा है। बता दें वैसे इस डिवाइस की कीमत 27,000 रुपये रहने वाली है। 'बी बाई लेंसकार्ट' देखने में जितना स्टाइलिश है, अंदर से उतना ही पावरफुल भी है। यह चश्मा स्नैपड्रैगन स्नैपड्रैगन एआर1 जेन-1 चिपसेट के साथ आएगा, जो कि इसे सुपर फास्ट बनाता है। इसमें 32जीबी की ऑनबोर्ड स्टोरेज दी गई है, ताकि आप अपना जरूरी डेटा आसानी से स्टोर कर सकें।इसके अलावा लेंसकार्ट इसमें जापानी अल्ट्रा-थिन ब्लू लाइट लेंस दिए हैं, जो माइन्स6 से प्लस6 तक की आई पावर के लिए सही हैं। यह ब्लैक और सिल्वर कलर ऑप्शन में उपलब्ध होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार इसका वजन सिर्फ 45 ग्राम है, इसलिए इसे लंबे समय तक पहनने में परेशानी नहीं होगी। यह चश्मा स्टाइल और टेक्नोलॉजी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन बताया जा रहा है। कैमरा और एआई का मेल-रिपोर्ट्स के मुताबिक लेंसकार्ट ने अपने स्मार्ट चश्मों को जबरदस्त कैमरा और एआई से लैस बनाया है। इसमें 12-मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड सोनी सेंसर मिलेगा, जो लैंडस्केप में 1080पी और पोर्ट्रेट मोड में 1440पी क्वालिटी में वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है। इसके अलावा गूगल जेमिनी का इंटीग्रेशन इसे बेहद खास बनाता है। इसे आप अपनी आवाज से आसानी से कंट्रोल कर सकेंगे। यह 40 से ज्यादा भाषाओं को सपोर्ट करता है और इसमें लुक एंड टेल और लाइव नोट टेकिंग जैसे कमाल के फीचर्स भी मिलेंगे। टच कंट्रोल्स और डुअल-डायरेक्शनल स्पीकर इसे एक कंप्लीट पैकेज बनाते हैं। अगर आपने इन चश्मों को पहना होगा, तो आपको हर छोटे काम के लिए जेब से फोन बाहर निकालने की जरूरत नहीं रहेगी।स्मार्ट चश्मों की बैटरी को लेकर अक्सर चिंता देखी जाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 'बी बाई लेंसकार्ट' में बैटरी लाइफ का पूरा ध्यान रखा गया है। एक बार चार्ज करने पर यह स्मार्ट चश्मा 4 घंटे तक लगातार चल सकता है। इसके साथ आने वाला वायरलेस चार्जिंग केस इसे और भी खास बनाता है, जो कुल मिलाकर 48 घंटे तक का बैकअप देता है। अगर आप जल्दी में हैं, तो इसकी फास्ट चार्जिंग टेक्नोलॉजी सिर्फ 15 मिनट में इसे 50 प्रतिशत तक चार्ज कर देगी।

सहेली के 'एक्स' से हुआ प्यार,पर प्यार के साथ गिल्ट भी है और डर भी, क्या मैं दोस्त को धोखा दे रही हूं?

नॉएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल,

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मेरी उम्र 25 साल है। मेरी एक क्लोज फ्रेंड का साल भर पहले ब्रेकअप हो गया था, लेकिन

मेरी और उसके एक्स की बातचीत होती रही। अब हम एक-दूसरे को

पसंद करने लगे हैं। मुझे डर है कि उसे डेट करने से मेरी सालों पुरानी दोस्ती टूट जाएगी। क्या अपनी फ्रेंड के 'एक्स' को डेट करना गलत है? क्या मुझे दोस्ती और प्यार में से किसी एक को ही चुनना होगा? जवाब- सबसे पहले तो सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आपने जो सिचुएशन बताई है, उसमें आपकी कोई गलती नहीं है। यह समस्या समाज की और लोगों की संकुचित सोच की है। चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। यह नैतिक अपराध नहीं, भावनात्मक चुनौती है-यह स्थिति पहली नजर में थोड़ी जटिल और संवेदनशील लगती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपके सावल से लग रहा है जैसे आप अपराधबोध में हैं। जबकि आपने जो किया है, वह नैतिक रुप से बिल्कुल भी गलत नहीं है। यह सिर्फ

भावनात्मक चुनौती है। यह रिश्ता आपको और आपकी सहेली को कितना प्रभावित करेगा, यह तीन बातों पर निर्भर करेगा-दोनों पक्ष इस बात को कितनी मैच्योरिटी के साथ हैंडल करते हैं। वो कितनी गहराई और उदारता दिखाते हैं। वे अपने निजी जीवन में भावनात्मक रूप से कहां खड़े हैं और कितने खुश व संतुष्ट हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं? अपने दोस्त के एक्स के साथ रिश्ते में आने पर जो सिचुएशन बनती है, उसमें हमारा दिमाग 'लॉजिक' से ज्यादा 'गिल्ट' (अपराधबोध) से घिर जाता है। आप भी इसी के चलते खुद को कटघरे में महसूस कर रही हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं- मन में बुरे ख्याल क्यों उठ रहे हैं? आपके मन में जो सवाल उठ रहे हैं, उनके पीछे आपका अपना ही बनाया डर है। यह डर सामाजिक छवि और दोस्ती टूटने की आशंका से उपजा है। इस समाज में 'सहेली के एक्स' को डेट करना थोड़ा अजीब नजर से देखा जाता है। जब आप ऐसी सीमाओं को लांघते हैं, तो डर सताने लगता है कि लोग मुझे 'विलेन' समझेंगे। इन सवालों का तार्किक जवाब क्या है? भावनाओं के भंवर में लोग अक्सर लॉजिक भूल जाते हैं। अगर ठंडे दिमाग से सोचें, तो समझ आएगा कि आपके डर के पीछे की वजहें उतनी मजबूत नहीं हैं, जितनी आपकी खुशी की संभावनाएं हैं। आप कैसा महसूस कर रहे हैं? किसी भी रिश्ते में दर्द या खुशी इस बात से तय नहीं होती कि सिचुएशन बाहर से कितनी जटिल है। अगर आपकी दोस्त अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी है और खुश है, तो संभव है कि उसे ज्यादा तकलीफ न हो। अगर वह अभी भी ब्रेकअप के दर्द से गुजर रही है, तो यह खबर उसे थोड़ा झटका दे सकती है। यह निश्चित है कि अगर आप दोनों इस रिश्ते में खुश हैं तो इस सिचुएशन को संभालना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।रिलेशनशिप में हमारी इनसिक्योरिटी की सबसे कॉमन वजह ये है कि लोग क्या कहेंगे? ज्यादातर लोग इसी डर से अपनी खुशी की बलि दे देते हैं। याद रखिए आपकी सहेली और उस लड़के का ब्रेकअप इसलिए हुआ, क्योंकि उनके बीच कुछ सही नहीं था।अगर आप दोनों साथ में बेहतर महसूस कर रहे हैं, तो मुमकिन है कि आप एक-दूसरे के लिए बेटर मैच' हों। प्यार की इस भावना को स्वीकार करना गलत नहीं है। आप इस रिश्ते में कैसा महसूस कर रही हैं, यह समझने के लिए खुद से कुछ सवाल पूछें- समय पर छोड़ दें कुछ फैसले ये भी हो सकता है कि जब आप अपनी दोस्त को यह बात बताएं, तो उसे एक पल को झटका लगे या बुरा महसूस हो। लेकिन कुछ चीजें समय और मैच्योरिटी के साथ समझ आती हैं। भविष्य में जब वह देखेगी कि आप दोनों साथ में खुश और स्टेबल हैं, तो शायद उसका नजरिया बदल जाए। कई बार रास्ते हमें खुद ही सही मंजिल तक पहुंचा देते हैं, हमें सिर्फ रास्ता तय करना है। आपको क्या करना चाहिए? अगर आप इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहती हैं, तो इन 4 बातों का ध्यान रखें- ईमानदार रहें- आपकी दोस्त को यह बात किसी और से पता चले, उससे पहले खुद ही पूरी बात बता दें। उससे यह रिश्ता छिपाना ही सबसे बड़ा धोखा है। सफाई न दें- आपकी सहेली का रिलेशनशिप भले ही कैसा रहा हो, उससे कभी ये न कहें कि 'तुम दोनों का रिश्ता खराब था।' स्पेस दें- खबर सुनने के बाद उसे गुस्सा करने का, नाराज होने का स्पेस दें। उसे मजबूर न करें कि वह तुरंत आपके रिश्ते को एक्सेप्ट ही करे। डेडलाइन तय न करें- दोस्ती को फिर से सामान्य होने में समय लग सकता है तो उसे पूरा वक्त दें। अंतिम सलाह-प्यार कभी अपराध नहीं हो सकता है। अगर आपकी नीयत साफ है और आप सहेली का सम्मान करती हैं, तो डरने की जरूरत नहीं है। अपनी खुशी को स्वीकार करें, सहेली के प्रति सहानुभूति रखें और समय को अपना काम करने दें। कई बार अच्छे रिश्ते कठिन परिस्थितियों से ही निकलकर आते हैं।

बच्चों को अब होमवर्क के लिए मोबाइल की जरुरत पड़ रही हैं हर सवाल एआई से तो खुद क्या सीख पायेंगे- क्या करूं?

जयपुर। विषय को समझेंगे- एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ। सवाल- मैं पटना का रहने वाला

हूं। मेरी 13 साल की बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। पिछले कुछ समय से अपने होमवर्क और प्रोजेक्ट के लिए वह एआई टूल्स का इस्तेमाल करने लगी है। उसे कुछ भी पूछना-जानना हो तो सीधे चैट जीपीटी से पूछकर जवाब कॉपी कर लेती है। खुद सोचने या मेहनत करने से बचने लगी है। मुझे लगता है

कि जैसे वह अब इसी पर निर्भर हो गई है। हमें डर है कि कहीं इससे उसकी सोचने-समझने की क्षमता और लर्निंग एबिलिटी कम न हो जाए। हमें क्या करना चाहिए? जवाब- आपकी चिंता

बिल्कुल वाजिब है। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। इसलिए बच्चों का एआई टूल यूज करना स्वाभाविक है। लेकिन उन्हें इसका सही इस्तेमाल सिखाना जरूरी है। अगर एआई टूल्स का सही इस्तेमाल किया जाए तो ये सीखने का एक अच्छा मीडियम बन सकता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब बच्चा पूरी तरह इस पर निर्भर हो जाता है। इससे उसकी सोचने-समझने और समस्या हल करने की क्षमता कम होने लगती है। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत से बचने के लिए सीधे एआई टूल्स से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एआई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत से बचने के लिए सीधे एआई टूल्स से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एआई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। एआई पर डिपेंडेंसी का बच्चे पर प्रभाव-एआई टूल्स पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता बच्चे के सीखने की स्वाभाविक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। जब बच्चा हर सवाल का जवाब बिना खुद सोचे सीधे एआई से लेता है तो उसकी समझ और बुद्धि कमजोर होने लगती है। मनोवैज्ञानिक रूप से हमारा दिमाग 'यूज इट ऑर लूज इट' के सिद्धांत पर काम करता है। यानी जितना हम सोचते-समझते और समस्या हल करते हैं, उतना ही दिमाग तेज और एक्टिव होता है। लेकिन जब यह प्रक्रिया कम होने लगती है, तो धीरे-धीरे सोचने-समझने और एनालिसिस करने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा एआई पर निर्भरता से बच्चे में धैर्य की कमी, जल्दी हार मानने की आदत और कॉपी-पेस्ट लर्निंग जैसी आदतें आ सकती हैं। ये आदतें आगे चलकर बच्चे की पढ़ाई और पर्सनैलिटी दोनों को प्रभावित करती हैं। पेरेंट्स बच्चे को समझाएं कि एआई एक लर्निंग टूल है, जो उनकी पढ़ाई और समझ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। लेकिन यह कभी भी टीचर या उनके अपने दिमाग का विकल्प नहीं बन सकता। बच्चे के बताएं कि जब वे खुद सोचते हैं, सवाल करते हैं, अलग-अलग संभावनाओं को समझते हैं और गलती करके उससे सीखते हैं। इसलिए जरूरी है कि एआई का इस्तेमाल केवल गाइड या सपोर्ट के रूप में किया जाए, न कि शॉर्टकट के तौर पर। सवाल या होमवर्क में पहले खुद प्रयास करने के लिए प्रेरित करें। जब कहीं अटक जाए, तभी एआई की मदद लेने को कहें। एआई से मिला जवाब सीधे इस्तेमाल करने के बजाय उसे पढ़कर समझना और अपने शब्दों में लिखने को कहें। होमवर्क या पढ़ाई के दौरान एआई का कब और कितना इस्तेमाल करना है, इसके लिए स्पष्ट नियम बनाएं। दिन का कुछ समय ऐसा तय करें, जब बच्चा बिना किसी डिजिटल मदद के खुद पढ़ाई और प्रैक्टिस करे। बच्चे को बताएं कि एआई से बेहतर जवाब पाने के लिए सही और स्पष्ट सवाल पूछना भी एक स्किल है। एआई हमेशा 100फीसदी सही नहीं होता। इसलिए किताब, टीचर या दूसरे सोर्स से जानकारी मिलान करना सिखाएं। सही एआई यूज के लिए पेरेंट्स ग्राफिक में दिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं। पेरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चे की कोशिश और सोचने की प्रक्रिया को सराहें। आप अपनी बेटी से कह सकते हैं कि पहले वह खुद सवाल हल करने की कोशिश करे और बाद में एआई से अपने जवाब की तुलना करे। इससे उसे दो फायदे होंगे- वह खुद सोच पाएगी। एआई से नई जानकारी भी सीख पाएगी। इसके अलावा बच्ची को ऐसी एक्टिविटीज में शामिल करें, जो उसकी इमैजिनेशन और क्रिएटिविटी को बढ़ाए। बच्चे से बातचीत जरूरी इस उम्र में बच्चों के साथ बातचीत बहुत जरूरी होती है। अगर पेरेंट्स सीधे यह कहते हैं कि 'एआई मत यूज करो' तो बच्चा इससे चिड़चिड़ा हो सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप अपनी बेटी से बातचीत करें और उससे पूछें कि 'उसे एआई में क्या अच्छा लगता है', 'वह इसका इस्तेमाल क्यों करती है।' जब बच्ची खुलकर अपनी बात बताएगी तो आप उसकी सोच को समझेंगे। आप उसे यह समझा सकते हैं कि एआई से मदद लेना ठीक है, लेकिन सीखना बहुत जरूरी है। याद रखें, एआई के यूज के साथ संतुलन जरूरी है। अंत में यही कहूंगी कि आप अपनी बच्ची को समझाएं कि एआई एक 'टॉर्च' की तरह है, जो रास्ता दिखा सकती है, लेकिन चलना उसे खुद ही होता है। जब वह समझेगी कि एआई सिर्फ हेल्पिंग टूल है। उसे अपनी सोच-समझ के लिए मेहनत और जिज्ञासा बनाए रखनी होगी, तभी वह तकनीक का संतुलित और सही उपयोग करना सीख पाएगी।

जाह्ववी कपूर और शिखर की शादी की खबरें गलत,अफवाहों में सच्चाई नहीं-बोनी कपूर,इस साल के अंत तक जामनगर में शादी को बताया फेक

मुंबई। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया की शादी

पर एक्ट्रेस के पिता और फिल्ममेकर बोनी कपूर ने

सफाई दी है। बोनी ने उन तमाम दावों को खारिज कर दिया है

जिनमें कहा जा रहा था कि जाह्नवी और शिखर इस साल के आखिर में शादी करने वाले हैं। दरअसल पिछले कुछ दिनों से कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि यह कपल सितंबर या अक्टूबर के बीच गुजरात के जामनगर में एक पारंपरिक समारोह में शादी कर सकता है।

जब इन अटकलों के बारे में बोनी कपूर से पूछा गया, तो उन्होंने ई-टाइम्स से बातचीत में सीधे तौर पर कहा, 'नहीं, यह सच नहीं है।

' परिवार के करीबी हैं शिखर पहाड़िया शिखर को अक्सर कपूर परिवार के निजी कार्यक्रमों और छुट्टियों में देखा जाता है।

वे न केवल जाह्नवी के साथ वेकेशन पर जाते हैं, बल्कि अक्सर मंदिरों के दर्शन के लिए भी परिवार के साथ नजर आते हैं।

जाह्नवी ने भी अप्रैल 2024 में 'कॉफी विद करण' के एक एपिसोड में इशारों में बताया थी कि वह किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं।

दोनों का नाम सबसे पहले तब जुड़ा था, जब जाह्नवी ने बॉलीवुड में डेब्यू भी नहीं किया था। साल 2016 में कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों अलग हो गए थे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से वे अक्सर सार्वजनिक जगहों पर साथ नजर आते हैं।

प्यार में सुरक्षित महसूस करती हैं जाह्नवी हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान जाह्नवी ने प्यार और अपने पार्टनर के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने शिखर का नाम लिए बिना कहा, 'प्यार सुरक्षित महसूस कराता है। उनकी मौजूदगी की वजह से अब मैं खुद को उतना बेबस महसूस नहीं करती।

' उन्होंने आगे कहा कि वह इस रिश्ते में एक बच्ची की तरह रह सकती हैं और उनके साथ उन्हें सबसे ज्यादा मजा आता है।एक्ट्रेस के मुताबिक, इस प्यार ने उन्हें अपने सबसे सच्चे रूप में रहने में मदद की है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।